वर्ष : 27 अंक : 46 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 05 फरवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

दिल्ली के वोटरों में भारी उत्साह, बूथों पर लगी कतारें

सीलमपुर और जंगपुरा में वोटिंग के दौरान हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए मतदान जारी है। 13,766 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा। मतदान केंद्रों के बाहर सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं।

दिल्ली में मतदान को लेकर वोटरों में भारी उत्साह देखा गया है दिल्ली के कई भूतों पर वोटरों की लंबी कटारे देखी गई दिल्ली में महिलाएं भी भारी उत्साह के साथ वोट डाल रही हैं दिल्ली में सुबह 11:00 तक 19.95 प्रतिशत मतदान हुआ था सबसे ज्यादा मतदान 24 पॉइंट 85 प्रतिशत उत्तर पूर्वी दिल्ली और सबसे कम 16.86 प्रतिशत सेंटर दिल्ली में हुआ था।

मतदान के दौरान सीलमपुर में हंगामा हुआ भाजपा नेताओं का आरोप था कि बुरखे में कुछ महिलाओं ने फर्जी मतदान किया है वहीं जंगपुरा में भी आप और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच रोग जोग हुई यहां से आप प्रत्याशी मनीष सिसोदिया की पुलिस से बहस भी हुई है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

आस्था की डुबकी लगाकर पीएम मोदी ने दिया एकता का संदेश

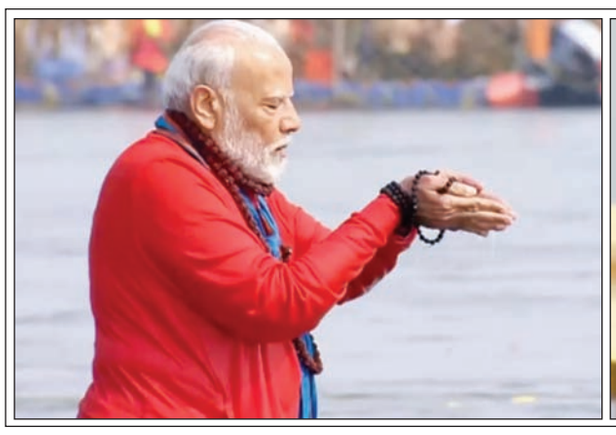

महाकुम्भ नगर (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज महाकुम्भ में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर पूरी दुनिया को एकता का संदेश दिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया। पावन डुबकी लगाने से पहले प्रधानमंत्री ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान वह रुद्राक्ष की माला का जप करते भी नजर आए। मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की अराधना करते हुए उन्होंने पावन डुबकी लगाई। डुबकी लगाने के बाद उन्होंने गंगा पूजन और आरती भी की। इससे पूर्व प्रधानमंत्री के प्रयागराज आगमन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया।

त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाने से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधिवत पूजा अर्चना की। संगम में उतरने से पहले पीएम ने सबसे पहले आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर सूर्य को अर्घ्य दिया और तर्पण भी किया। संगम स्नान के बाद उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन भी किया। काले कुर्ते और भगवा पटके व हिमांचली टोपी पहने पीएम मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और (शेष पृष्ठ-3 पर)

सीएम योगी ने किया स्वागत

“ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वह एमआई 17 हेलिकॉप्टर में बैठकर डीपीएस हेलिपैड पहुंचे। यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। यहां से प्रधानमंत्री अरैल घाट पहुंचे, जहां से विशेष बोट पर सवार होकर उन्होंने त्रिवेणी संगम का रुख किया। बोट पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री महाकुम्भ में की गई व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाओं के विषय में सीएम योगी से जानकारी लेते हुए भी दिखाई दिए। बोट से भ्रमण के दौरान पीएम ने त्रिवेणी संगम में मौजूद श्रद्धालुओं का भी अभिवादन स्वीकार किया।

पीएम की मौजूदगी में भी चलता रहा श्रद्धालुओं का स्नान

“ प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी जब त्रिवेणी संगम पहुंचे तब आम श्रद्धालु भी संगम स्नान कर रहे थे। पीएम मोदी के आगमन के बावजूद लोगों को स्नान करने से रोका नहीं गया था। वीवीआईपी मूवमेंट के बाद भी कहीं कोई गतिरोध उत्पन्न नहीं हुआ और एक तरह से पीएम मोदी और अन्य श्रद्धालुओं ने एक साथ ही त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। इससे श्रद्धालु भी प्रसन्न नजर आए और संगम तट पर लाखों लोगों की मौजूदगी में हर हर गंगे और मोदी-मोदी के जयकारे गुंजायमान होते रहे। उल्लेखनीय है कि 13 जनवरी से प्रारंभ हुए महाकुम्भ में अब तक वीवीआईपी मूवमेंट के बावजूद श्रद्धालुओं को संगम स्नान में कहीं कोई दिक्कत नहीं आ रही है। इसी का नतीजा है कि मात्र 24 दिनों में अब तक 39 करोड़ श्रद्धालु संगम में पावन डुबकी लगा चुके हैं।

नोएडा के चार स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में कुछ स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। आज सुबह इन स्कूलों को एक धमकी भरा ई-मेल आया, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। धमकी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। जिन स्कूलों को धमकी दी गई है, उनमें हेरिटेज स्कूल और मयूर स्कूल का नाम भी शामिल है। जानकारी के अनुसार, सभी स्थानों पर स्थिति सामान्य है. कई स्कूलों में कक्षाएं पुन: शुरू हो गई हैं।

नोएडा के चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। नोएडा पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर बारीकी से जांच शुरू कर दी है। पुलिस, फायर ब्रिगेड और बम निरोधक दस्ता स्कूलों में पहुंच चुके हैं और छात्रों को ऐहतियातन सुरक्षित स्थानों पर एकत्रित कर लिया गया है। अब तक किसी भी स्कूल में कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली है। बम स्कवॉड और अन्य वरिष्ठ अधिकारी स्कूलों में जांच कर रहे हैं। कुछ स्कूलों में जांच के बाद दोबारा क्लासेस शुरू कर दी गई हैं। जिन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। उसमें मयूर स्कूल, हैरिटेज स्कूल, स्टेप बाय स्टेप स्कूल व ज्ञानश्री स्कूल के नाम शामिल हैं।

स्कॉर्पियो की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना कासना क्षेत्र के लुक्सर रोड पर तेज गति में आ रहे हैं स्कॉर्पियो के चालक ने स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से स्कूटी सवार की मौत हो गई। हादसे के बाद स्कॉर्पियो कार चालक मौके से फरार हो गया। ग्राम पीपलका निवासी देवेश लोहिया ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 4 फरवरी को उनके भाई योगेश कुमार अपनी स्कूटी से कासना की तरफ जा रहे थे। वह जैसे ही लुकसर रोड मंदिर के पास पहुंचे तो तेज गति में आ रही स्कार्पियो कार के चालक ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से योगेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्कॉर्पियो कार चालक मौके से (शेष पृष्ठ-3 पर)

ऑनलाइन करेंसी में निवेश के नाम पर ठगी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ऑनलाइन करेंसी में निवेश कर बेहतर रिटर्न का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक व्यक्ति से 370000 रुपए ठग लिए। पीड़ित ने अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले अशोक कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि कुछ समय पूर्व उसे अलग-अलग मोबाइल नंबर से कई लोगों की कॉल आई। उन लोगों ने बताया कि वह ऑनलाइन करेंसी का कार्य करते हैं। इसमें निवेश करने पर अच्छा मुनाफा मिलता है। उसने निवेश करने के लिए अपने रिश्तेदारों से पैसे लिए और उन्हें बैंक में जमा कर दिया। 3 सितंबर को उसे पता चला कि उसके बैंक खाते से 370000 रुपए कट गए हैं। इसके बाद उसने उक्त नंबरों पर फोन मिलाकर बात करने का प्रयास किया लेकिन कोई संपर्क नहीं हो पाया। ठगे जाने का एहसास होने पर उसने थाना बिसरख में शिकायत की जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

रेप पीड़िता को वीडियो कॉल कर दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रेप पीड़िता को आरोपी ने वीडियो कॉल कर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने धमकी दी कि अगर उसने उसके खिलाफ गवाही दी तो वह उसके पूरे परिवार को जान से मार देगा। पीड़िता के पिता ने थाना रबूपुरा में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। कस्बे में रहने वाले राजेश (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी बेटी के साथ हुए बलात्कार के मामले में सूरजपुर स्थित न्यायालय में मुकदमा चल रहा है। 11 फरवरी को न्यायालय (शेष पृष्ठ-3 पर)

घर में घुसकर युवती से छेड़छाड़

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना रबूपुरा क्षेत्र के एक गांव में युवक ने घर में घुसकर युवती के साथ छेड़छाड़ की। शोर शराबा सुनकर युवती के परिजन मौके पर पहुंचे इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। विनीता (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि गांव का ही रहने वाला जीतू पुत्र गजेंद्र पिछले आठ माह से उसकी बेटी को परेशान कर रहा था। उसने तथा परिजनों ने कई बार जीतू को इस तरह की हरकत ना करने के लिए समझाया लेकिन वह बाज नहीं आया। 31 जनवरी की रात्रि को घर में उसकी तीनों बेटियां सोई हुई थी। रात्रि के समय जीतू दीवार कूद कर उनके कमरे में घुस गया। जीतू ने उसकी बेटी का मुंह दबाकर कमरे से बाहर खींच लिया और उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

‘वयस्कता एक मंज़िल नहीं, बल्कि एक सतत यात्रा है’

जिलाधिकारी मनीष वर्मा व श्रीमती अंकिता राज की पुस्तक ‘द ऑर्ट ऑफ एडल्टहुड’ का विमोचन

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा तथा उनकी धर्मपत्नी अंकिता राज द्वारा लिखित पुस्तक ‘द ऑर्ट ऑफ एडल्टहुड’ का विमोचन समारोह सम्पन्न हुआ। इस पुस्तक के जरिए जीवन की उलझनों को सुलझाने का एक बेहतर प्रयास किया गया तथा वयस्क जीवन की जटिलताओं से निपटने के लिए एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया गया है। विमोचन के कार्यक्रम में हिन्दी साहित्य से जुड़े कई लेखक, विचारक व पाठक उपस्थित थे।

यह पुस्तक अमेज़न पर ऑनलाइन उपलब्ध है, जिसे इस लिंक पर क्लिक करके खरीदा जा सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत लेखकद्वय मनीष वर्मा और अंकिता राज के संबोधन से हुई। जिसमें उन्होंने पुस्तक के पीछे की प्रेरणा और व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया।

मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि वयस्कता एक मंज़िल नहीं, बल्कि एक सतत यात्रा है। यह पुस्तक पाठकों को आत्मविश्वास, लचीलापन और आत्म-जागरूकता के साथ अपनी

चुनौतियों से निपटने में मदद करने का हमारा प्रयास है।

अंकिता राज ने संबोधित करते हुए कहा कि ‘वयस्कता में जीवन एक कैनवास की तरह है- हम इसे अपनी पसंद और अनुभवों से आकार देते हैं। इस पुस्तक के माध्यम से, हम पाठकों को रचनात्मकता और साहस के साथ अपनी यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने की उम्मीद करते हैं।’ कार्यक्रम में एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने वयस्कता की वास्तविक जीवन की चुनौतियों पर चर्चा की और बताया कि पुस्तक की अंतर्दृष्टि को दैनिक जीवन में कैसे लागू किया जा सकता है।

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल

सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *नि:शुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

व्यापार युद्ध

राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संरक्षणवादी एजेंडे के साथ ही चीन, कनाडा व मैक्सिको पर भारी-भरकम टैरिफ थोपकर व्यापार युद्ध की शुरुआत कर दी है। ट्रंप के फैसले से वैश्विक बाजारों में भूचाल है। इन तीनों देशों द्वारा इसका जबाब देने की घोषणा से विश्व व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, अमेरिका ने अपने शीर्ष व्यापारिक सहयोगी कनाडा व मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैफिक थोपकर उन्हें आर्थिक प्रतिशोध हेतु बाध्य कर दिया है। कनाडा ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है तो मैक्सिको भी ऐसा मन बना रहा है। वहीं चीन पिछली टैरिफ लड़ाइयों से परेशान होकर रणनीतिक प्रतिशोध को तैयार है। वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाने की बात कर रहा है। हालांकि, भारत फिलहाल ट्रंप की संरक्षणवादी कार्रवाई से बचा नजर आता है। भारत ने टैरिफ कटौती की दिशा में कदम उठाते हुए ट्रंप के उस टैरिफ दुरुपयोग के आक्षेप से बचने का प्रयास किया है, जिसको लेकर ट्रंप भारत को निशाने पर लेते हैं। दरअसल, भारत में शीर्ष तीस अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क मसलन कच्चे पेट्रोलियम से लेकर हार्ले-डेविडसन मोटर साइकिल तक पर मामूली टैरिफ हैं। निस्संदेह, यह रणनीतिक कदम न केवल तत्काल अमेरिकी प्रतिशोध को रोकता है बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत होने के लिये भारत की प्रतिबद्धता का भी संकेत देता है। जैसा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार घाटे में केवल 3.2 प्रतिशत का ही कारक है। इसकी वजह यह भी है कि भारत के तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल और कीमती धातुओं के निर्यात फिलहाल कमजोर बने हुए हैं। यह अच्छी बात है कि ट्रंप ने पहले टैरिफ वार से भारत को राहत दी है, लेकिन वैश्विक व्यापार युद्ध से भारत में विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। असर रुपये की सेहत पर भी पड़ेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा से द्विपक्षीय व्यापार खिड़की खुलने की संभावना है। वहीं ट्रंप की इस कार्रवाई का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि सामान पर टैरिफ बढ़ाए जाने से चीनी उत्पाद महंगे होंगे, तो भारतीय निर्यातक अमेरिका बाजार में नये अवसर तलाश सकते हैं। खासकर कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में। लेकिन इसके बावजूद भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। इस टैरिफ जंग का एक पहलू यह भी कि अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने अमेरिकी लोगों को मुश्किल समय के लिये तैयार रहने के लिये कहा है। आशंका है कि इससे भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से एक में मांग कम हो सकती है। वहीं दूसरी ओर कोई भी अमेरिकी व्यापारिक प्रतिबंध अंततः भारत के प्रमुख उद्योगों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, हमने उभरते वैश्विक आर्थिक युद्ध से बचने के लिये व्यावहारिक टैरिफ रणनीति को अपनाया है, लेकिन अभी भी बड़े वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका खत्म नहीं हुई है। हालिया केंद्रीय बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्स में छूट देकर मध्य वर्ग को खुश तो किया है, लेकिन ट्रंप के व्यापार युद्ध की घोषणा से भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ऐसे में भारत को व्यापार संतुलन को बनाये रखने और ग्लोबल इकॉनमी पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के लिये तैयार रहना होगा। आशंका है कि कनाडा, मैक्सिको व चीन के बाद ट्रंप यूरोप को भी निशाने पर ले सकते हैं। एक अनिश्चितता पैदा हुई है कि यह टैरिफ युद्ध कितना और किस दिशा में बढ़ता है। आर्थिक विशेषज्ञ कयास लगा रहे हैं कि मोदी की अमेरिका यात्रा में ट्रंप भारत से व्यापार असंतुलन दूर करने को कह सकते हैं। वहीं दूसरी ओर भारत अमेरिका से आधुनिक अस्त्र, कच्चा तेल व प्राकृतिक गैस तथा कृषि उत्पाद आयात बढ़ाकर टैरिफ युद्ध की छाया से बच सकता है। बाकी कुछ ट्रंप की प्राथमिकताओं पर भी निर्भर करेगा। लेकिन साथ ही भारत को विश्व व्यापार संगठन के सभी देशों के लिए समान टैरिफ नियम का भी पालन करना होगा। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य भी सामने हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि वेदों ने श्री रामचन्द्रजी के सुंदर नाम, गुण, चरित्र, जन्म और कर्म सभी अनगिनत कहे हैं। जिस प्रकार भगवान श्री रामचन्द्रजी अनन्त हैं, उसी तरह उनकी कथा, कीर्ति और गुण भी अनंत हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तदपि जथा श्रुत जसि मति मोरी। कहिहउँ देखि प्रीति अति तोरी॥
उमा प्रस्न तव सहज सुहाई। सुखद संतसंमत मोहि भाई॥

तो भी तुम्हारी अत्यन्त प्रीति देखकर, जैसा कुछ मैंने सुना है और जैसी मेरी बुद्धि है, उसी के अनुसार मैं कहूँगा। हे पार्वती! तुम्हारा प्रश्न स्वाभाविक ही सुंदर, सुखदायक और संतसम्मत है और मुझे तो बहुत ही अच्छा लगा है॥

एक बात नहिं मोहि सोहानी। जदपि मोह बस कहेहु भवानी॥
तुम्ह जो कहा राम कोउ आना। जेहि श्रुति गाव धरहिं मुनि ध्याना॥

परंतु हे पार्वती! एक बात मुझे अच्छी नहीं लगी, यद्यपि वह तुमने मोह के वश होकर ही कही है। तुमने जो यह कहा कि वे राम कोई और हैं, जिन्हें वेद गाते और मुनिजन जिनका ध्यान धरते हैं- ॥

दो0-कहहिं सुनहिं अस अधम नर ग्रसे जे मोह पिसाच।
पाषंडी हरि पद बिमुख जानहिं झूठ न साच॥

जो मोह रूपी पिशाच के द्वारा ग्रस्त हैं, पाखण्डी हैं, भगवान के चरणों से विमुख हैं और जो झूठ-सच कुछ भी नहीं जानते, ऐसे अधम मनुष्य ही इस तरह कहते-सुनते हैं॥

(क्रमशः...)

सत्ता की लोलुपता ने कांग्रेस को बनाया कमजोर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा में विधानसभा चुनाव के दौरान गोहाना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि अगर कांग्रेस गलती से भी हरियाणा में सत्ता में आ गई तो उसकी अंदरूनी कलह के कारण स्थिरता और विकास दांव पर लग जाएगा और यह राज्य को बर्बाद कर देगा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस सरकारें 'अस्थिरता' के लिए जानी जाती हैं। मोदी ने कांग्रेस शासित कर्नाटक का उदाहरण देते हुए कहा कि पिछले कुछ सालों में जहां-जहां कांग्रेस की सरकारें बनीं, मुख्यमंत्री और मंत्री अंदरूनी कलह में शामिल रहे। मोदी ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के सत्ता में रहने के दौरान उसकी अंदरूनी कलह का भी जिक्र किया था। प्रधानमंत्री मोदी का यह आरोप सही साबित हो रहा है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर कलह शीर्ष पर है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार सत्ता के लिए आपस में लड़ रहे हैं। एक ओर जहां भ्रष्टाचार को लेकर सीएम सिद्धारमैया घिरे हुए हैं और विपक्ष उनसे इस्तीफे की मांग कर रहा है तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के कई नेता खुले तौर पर राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जता रहे हैं। राज्य के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया के बीच सीएम की कुर्सी को लेकर हुई खींचतान किसी से छिपी नहीं है।

अब इस लिस्ट में कई नेताओं का नाम सामने आ रहा है। मंत्री शरणप्पा दर्शनपुर ने जताई इच्छा कर्नाटक के मंत्री शरणप्पा दर्शनपुर ने कहा कि अगर हाईकमान चाहेगा तो मैं सीएम बनूंगा। राज्य सरकार में लघु उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्री दर्शनपुर ने कहा कि पार्टी में 136 विधायक हैं और सभी मंत्री बनने के योग्य हैं। लेकिन जनादेश केवल 33 सदस्यों को मंत्री बनाने का है। इसका मतलब यह नहीं है कि अन्य पात्र नहीं हैं। एक व्यक्ति को सीएम बनना है। अगर पद खाली होगा और और हाईकमान मुझे सीएम बनने के लिए कहेगा तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है स्थिति, मैं तैयार हूं। गौरतलब है कि शरणप्पा अकेले ऐसे कांग्रेसी नेता नहीं है जिन्होंने सीएम बनने की इच्छा जताई हो। उनसे पहले भी कई नेताओं ने इसको लेकर बयान दिए हैं। कुछ नेताओं को लेकर तो सोशल मीडिया पर अभियान भी चला रहे हैं।

मध्यप्रदेश में लगातार तीन विधानसभा चुनाव हारने के बाद चर्ष 2018 में सत्ता में वापसी की। लेकिन कमलनाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच विवाद के कारण साल 2020 में सरकार गिर गई। छत्तीसगढ़ में पांच साल तक चली रस्साकशी चली।

कांग्रेसी नेता सतीश जारकीहोली के समर्थक उन्हें राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनाने का अभियान चला रहे हैं। बेलागावी में सतीश के समर्थन में सोशल मीडिया से लेकर अखबारों के इश्तहारों तक प्रचार किया जा रहा है। बेलागावी में सतीश जारकीहोली के समर्थकों ने पद खाली होने पर उन्हें कर्नाटक का अगला मुख्यमंत्री बनाने की वकालत करते हुए एक अभियान शुरू किया है। यह अभियान सोशल मीडिया तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रमुख अखबारों में विज्ञापन देकर उनके पक्ष में समर्थक एक कदम आगे बढ़ गए हैं। सतीश के समर्थक भी इस अभियान में बड़े पैमाने पर जुटे हैं। कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल भी इस रेस में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी फैसला करती है तो सीनियर या जूनियर का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि एक दिन मैं जरूर इस सीएम पद पर काबिज हो जाउंगा। फिलहाल ये पद खाली नहीं है।

गौरतलब यह भी है कि कथित मुडा घोटाले समेत कई मामलों में सिद्धारमैया सरकार पर सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष लगातार उन पर इस्तीफे का दबाव बना रही है। विधानसभा में विपक्ष ने धरना तक दिया है। हालांकि, सिद्धारमैया अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताते रहे हैं। कर्नाटक सत्तारूढ़ कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर मचे घमासान के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के अपने सहयोगियों को सख्त संदेश देते हुए कहा कि वे चुप रहें और निर्णय लेने का काम आलाकमान पर छोड़ दें। अपने आदेश की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने कहा, समय आने पर इस बारे में देखेंगे। आलाकमान इतना कमजोर नहीं है कि हम पार्टी के लिए एक-दो लोगों पर निर्भर रहें। कर्नाटक अकेला राज्य नहीं है, जहां कांग्रेस में सत्ता संघर्ष के हालात ने कांग्रेस को कमजोर बनाया है।

मध्यप्रदेश में लगातार तीन विधानसभा चुनाव हारने के बाद चर्ष 2018 में सत्ता में वापसी की। लेकिन कमलनाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच विवाद के कारण साल 2020 में सरकार गिर गई। छत्तीसगढ़ में पांच साल तक चली रस्साकशी चली। वर्ष 2018 में सरकार बनने के बाद सीएम की कुर्सी को लेकर भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच खींचतान जारी रही। हिमाचल प्रदेश में सरकार वर्ष 2022 में चुनाव जीतने के बावजूद आलाकमान के फैसले में देरी की वजह से राज्य में सरकार गठन में बाधा आई। राजस्थान में सरकार साल 2018 में सत्ता में आने के बाद सीएम पद को लेकर गहलोत और पायलट के बीच विवाद बढ़ने सरकार बाल-बाल बची थी। दरअसल लगातार तीसरी बार केंद्र की सत्ता से अलग रहने की वजह से कांग्रेस पार्टी के नेताओं की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं बढ़ रही हैं।

क्षेत्रीय स्तर पर नेतृत्व के दावे करने वाले नेता अपने राज्यों में प्रभाव बनाने और मुख्यमंत्री पद को लेकर आपस में टकरा रहे हैं। राज्य में सरकार होने के बावजूद कई दिग्गज नेता खुलेआम अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर विरोध दर्ज कर रहे हैं। इसके चलते पार्टी के भीतर खींचतान और गुटबाजी बढ़ रही है। कांग्रेस सरकारों में एक के बाद एक घोटालों और ग़लत निर्णयों ने सरकार की उपलब्धियों को बौना बना दिया। कांग्रेस आज यदि केंद्र की सत्ता से बाहर है और मात्र तीन राज्यों में सिमट कर रह गई है तो उसकी वजह कांग्रेस का सत्तालोलुप होना है। पार्टी के नेताओं को न कांग्रेस की परवाह है और न ही देश की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर कांग्रेस मुक्त भारत की बात करते रहते हैं और कांग्रेस उन्हें ग़लत साबित करने के लिए कुछ ख़ास नहीं कर रही है। कांग्रेस की सबसे बड़ी बाधा नेहरू-गांधी परिवार पर बहुत अधिक निर्भरता है। संगठन की अनुशासनहीनता और भ्रष्टाचार के मामलों पर जब तक कांग्रेस सख्त रूख नहीं दिखाएगी तब तक देश में फिर से राज हासिल करना एक ख्वाब ही रहेगा।

- योगेन्द्र योगी

जागरूकता से ही होगा कैंसर रोग पर नियंत्रण

कैंसर बीमारियों का एक जटिल समूह है जिसकी विशेषता असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि और प्रसार है। इसमें 100 से अधिक विभिन्न रोग शामिल हैं जो शरीर के विभिन्न अंगों को प्रभावित करते है। ये कोशिकाएं ट्यूमर नामक द्रव्यमान का निर्माण कर सकती हैं। जो शरीर के सामान्य कामकाज में हस्तक्षेप कर सकती हैं। जबकि कैंसर किसी को भी प्रभावित कर सकता है। इन्हें कार्सिनोमा, सारकोमा, ल्यूकेमिया और लिम्फोमा जैसे प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है। इसके कारणों में आनुवंशिक, पर्यावरणीय और जीवनशैली कारक शामिल हैं, जिनमें अस्पष्टीकृत वजन घटाने से लेकर लगातार थकान तक के लक्षण शामिल हैं। कैंसर की रोकथाम में जीवनशैली में बदलाव जैसे कि तंबाकू से परहेज, स्वस्थ आहार और टीकाकरण शामिल हैं। प्रभावी प्रबंधन और शुरुआती पहचान के लिए जागरूकता और ज्ञान महत्वपूर्ण है।

कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करने के लिए 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस का जन्म 4 फरवरी 2000 को पेरिस में न्यू मिलेनियम के लिए कैंसर के खिलाफ विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था। विश्व कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर और बीमारी के कारण होने वाली मौतों को कम करना है। 1933 में अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ ने स्विट्जरलैंड में जिनेवा में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया था।

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही घबराहट होने लगती है। कैंसर से पीड़ित व्यक्ति बीमारी से अधिक तो कैंसर के नाम से डर जाता है। जिस व्यक्ति को कैंसर होता है वह तो गंभीर यातना से गुजरता ही है उसके साथ ही उसका परिवार को भी बहुत कष्टमय स्थिति में गुजरना पड़ता है। जानलेवा होने के साथ ही कैंसर की बीमारी में मरीज को बहुत अधिक शारीरिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। कैंसर की बीमारी इतनी भयावह होती है जिसमें मरीज की मौत सुनिश्चित मानी जाती है। बीमारी की पीड़ा व मौत के डर से मैरिज घुट-घुट कर मरता है। इस दिन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने, लोगों को शिक्षित करने, इस रोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को समझाने तथा हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाने के लिए मनाया जाता है।

नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि देश के अधिकांश क्षेत्रों में कैंसर की सही निगरानी नहीं हो पा रही है। जिस कारण अधिकांश मामलों में बीमारी का देरी से पता चल रहा है। देश के सभी शोध केंद्रों को पत्र लिख आईसीएमआर ने कैंसर की जांच और निगरानी को आसान बनाने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। देश के सभी जिलों में कैंसर निगरानी और जांच को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान के तहत नई नीति बनाने के लिए आईसीएमआर को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके लिए अलग-अलग शोध टीमें गठित होंगी और भौगोलिक व स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदा स्थिति के आधार पर वैज्ञानिक तथ्य एकत्रित किए जाएंगे।

दुनिया भर में हर साल एक करोड़ से अधिक लोग कैंसर की बीमारी से दम तोड़ते हैं। जिनमें से 40 लाख लोग समय से पहले (30-69 वर्ष आयु वर्ग) मर जाते हैं। इसलिए समय की मांग है कि इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ कैंसर से निपटने की व्यावहारिक रणनीति विकसित करनी चाहिये। 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों के बढ़कर प्रति वर्ष एक करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों में 25 प्रतिशत कमी के लक्ष्य को हासिल किया जाए तो हर साल 15 लाख जीवन बचाए जा सकते हैं।

अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में है। 2020 में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए हैं। जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार देश में कैंसर के मामलों की संख्या 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है। जिसके लिए सरकार को चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। तभी समय पर कैंसर मरीजों की जांच से पहचान कर सही उपचार कर देकर उनकी जान बचाई जा सकती है।

भारत में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की नैशनल कैंसर रजिस्ट्री के आंकड़ें बताते हैं कि देश में 2023 में कैंसर के मामले 15 लाख तक पहुंच गए हैं। इसके अलावा ऐसे हजारों केस भी होंगे जिनका आंकड़ा नहीं मिल पाता होगा। भारत में कैंसर के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही हैं। 2040 तक भारत में कैंसर के मामले 2020 की तुलना में 57.5त्न बढ़कर 20लाख 80हजार हो जाएंगे। (आईसीएमआर) के मुताबिक भारत में हर साल 1.3 मिलियन से ज्यादा नए कैंसर के मामले सामने आते हैं। कैंसर रोग का इलाज करने वाले डॉक्टरों का भी मानना है कि यह खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कैंसर रोग की शुरुआती पहचान, जोखिम में कमी और प्रबंधन जैसे उपाय जरूरी है।

आईसीएमआर के आंकड़ों को देखें तो 2021 में कैंसर के 1426447 मामले नैशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम में दर्ज किए गए। 2022 में यह संख्या बढ़कर 1461427 हो गई और 2023 में 1496972 केस सामने आए। हर 9 में से से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की संभावना है। पुरुषों में फेफड़े और महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के काफी मामले सामने आ रहे हैं। 14 वर्ष तक की आयु में लिम्फोइड ल्यूकेमिया का खतरा बढ़ा है। 2020 की तुलना में 2025 में कैंसर के मामलों में 10 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी का अनुमान है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में कैंसर से साल 2020 में 7,70,230, 2021 में 7,89,202 और 2022 में 8,08,558 लोगों की मौत हुई है।

विश्व कैंसर दिवस 2025 की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक है, जो कैंसर के खिलाफ लड़ाई में व्यक्तिगत, रोगी-केंद्रित देखभाल की महत्वपूर्ण भूमिका को परिभाषित करती है। कैंसर का पता लगाने, कैंसर के प्रकार और कारण, डायग्नोस और उपचार में काफी प्रगति हुई है। लेकिन अफसोस की बात है कि दुनिया की ज्यादातर आबादी के पास अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सेवायें नहीं पहुंच पायी है। जिसमें गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल, रेगुलर टीकाकरण, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं और पुरानी बीमारी का इलाज शामिल है। कैंसर की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाकर, हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स को ट्रेनिंग देकर, इफेक्टिव कम्यूनिटी बेस्ड प्लान को लागू करके, हम इस बीमारी से बचाव कर सकते हैं।

विश्व कैंसर दिवस दुनिया पर कैंसर के प्रभाव को कम करने के लिए सभी के लिए मिलकर काम करने का एक अवसर है। जागरूकता बढ़ाकर, शिक्षा को बढ़ावा देकर, दूसरों को नैतिक रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करके और कैंसर के खिलाफ लड़ाई में समर्थन देकर ऐसे लोगों का जीवन बचाना है जिसे रोका और ठीक किया जा सकता है। एकजुट होकर और कार्म करके हम इस बीमारी से हमारे स्वास्थ्य, हमारी अर्थव्यवस्था और एक समाज के रूप में हमारी आत्माओं पर पड़ने वाले असर को कम कर सकते हैं।

कैंसर दुनियाभर में मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुइ थी। जिसमें ब्रेस्ट और लंग कैंसर के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। डब्लूएचओ के अनुसार दुनिया भर में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने से कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या को 30-50 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है। कैंसर की चुनौती से निपटने का सबसे अच्छा तरीका इस मुद्दे के बारे में लोगों से बातचीत शुरू कर के जागरूकता बढ़ायी जाये। तभी कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से लोगों की जीवन रक्षा की जा सकेगी।

लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा

राशिफल

माघ शुक्ल पक्ष अष्टमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
मन अज्ञात भय से ग्रसित रहेगा। चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। खर्च की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित है लेकिन प्रेम-संतान व व्यापार अच्छा रहेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आनंदमय जीवन गुजारेंगे। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा, प्रेम-संतान अच्छा व व्यापार अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्यों की विघ्न-बाधा के साथ संपन्नता दिख रही है। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान भी मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। मानसिक स्वास्थ्य थोड़ा गड़बड़ रहेगा। भावुक बने रहेंगे।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी संभव है। गृहकलह का संकेत है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम-संतान अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
प्रेम-संतान की स्थिति सुधर चुकी है। स्वास्थ्य अभी भी प्रभावित दिख रहा है। व्यापार आपका अच्छा है।

मुख्यमंत्री ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी से भेंट कर लिया आशीर्वाद

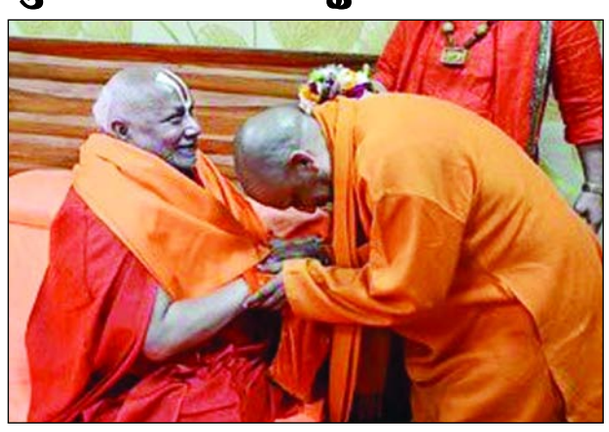

प्रयागराज (चेतना मंच)। महाकुंभ की पावन तैयारी के बीच तीर्थराज प्रयाग में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परम पूज्य जगद्गुरु रामभद्राचार्य से स्नेहपूर्ण भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस भव्य अवसर पर सीएम योगी ने उनकी दिव्य कथा का श्रवण कर सनातन संस्कृति एवं आध्यात्मिक मूल्यों की प्रेरणा ग्रहण की।

जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य जी ने मुख्यमंत्री को महाकुंभ के आयोजन में सनातन परंपराओं के महत्व और इसकी दिव्यता के संदर्भ में आशीष एवं मार्गदर्शन दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री जी ने महाकुंभ 2025 को ऐतिहासिक और दिव्य बनाने के संकल्प को दोहराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'महाकुंभ केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। इस महामहोत्सव के माध्यम से संपूर्ण विश्व को भारतीय संस्कृति की महानता का अनुभव होगा।' इस पावन मिलन से प्रयागराज में सनातन संस्कृति की गौरवशाली परंपरा और महाकुंभ की दिव्यता और आलोक की झलक स्पष्ट दिखाई दी।

जिला कारागार में 15वें दिन क्रिकेट मैच का आयोजन संपन्न

ग्रेटर नोएडा(चेतना मंच)। जिला कारागार, गौतमबुद्धनगर में जेल प्रीमियर लीग के पंद्रहवें दिन क्रिकेट के रोमांचक मुकाबलों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक बृजेश कुमार, संजय कुमार शाही (कारापाल), राजीव कुमार सिंह (कारापाल), सुरजीत सिंह (उपकारापाल), श्रीमती ज्ञानलता पाल (उपकारापाल), शिशिर कान्त कुशवाहा (उपकारापाल) सहित कई अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पहले मैच में जेल सुपर किंग्स और जेल लॉयन्स के बीच जोरदार भिड़ंत हुई। टॉस जीतकर जेल लॉयन्स ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करने उतरी जेल सुपर किंग्स ने निर्धारित 12 ओवरों में 8 विकेट खोकर 109 रन बनाए। टीम के लिए मनन ने सर्वाधिक 24 रन जोड़े। जवाब में 110 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जेल लॉयन्स की टीम, जेल सुपर किंग्स के कसी हुई गेंदबाजी के आगे 95 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह जेल सुपर किंग्स ने यह मुकाबला 14 रनों से जीत लिया।

दूसरे मैच में जेल नाइट्राइडर्स और जेल रॉयल्स की टीमें आमने-सामने थीं। टॉस जीतकर जेल रॉयल्स ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। जेल नाइट्राइडर्स की टीम 10वें ओवर में ही ऑलआउट हो गई और सिर्फ 61 रन बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जेल रॉयल्स की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6वें ओवर में ही 7 विकेट से यह मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मैच के हीरो रहे भूरा, जिन्होंने 51 रनों की जबरदस्त पारी खेली।

पंद्रहवें दिन के इन रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों को खूब मनोरंजन किया और जेल प्रीमियर लीग की रोमांचकता को और भी बढ़ा दिया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन से यह साफ है कि आने वाले मैचों में और भी रोमांचक खेल देखने को मिलेंगे।

समाजवादी पार्टी किसान, मजदूर नौजवान की सच्ची हितैषी : भाटी

बिलासपुर के बुलंदखेड़ा में पीडीए जन पंचायत का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी द्वारा पीडीए जन पंचायत पखवाड़े के अंतर्गत मंगलवार को बिलासपुर के बुलंदखेड़ा गांव में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जिला पंचायत सदस्य सुनील भाटी के संयोजन में पीडीए जन पंचायत का आयोजन किया गया।

इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद जनता पूरी तरह त्रस्त हो गई है। महंगाई दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है और रोजगार खत्म हो रहे हैं। वर्तमान सरकार जनता का शोषण करने में लगी हुई है और जनता की समस्याओं के समाधान में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी किसान, मजदूर और नौजवान की सच्ची हितैषी है। पार्टी ने हमेशा गरीब, मजदूर, किसान और नौजवानों के हितों के लिए कार्य किया है। जब समाजवादी पार्टी सत्ता में थी, तब प्रदेश ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ था, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण प्रदेश का विकास ठप हो गया है।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जिला पंचायत सदस्य सुनील भाटी ने कहा कि देश और प्रदेश में भाजपा वर्षों से सत्ता में है, लेकिन उसने जनता के हित में कोई ठोस कार्य नहीं किया। भाजपा सरकार के पास विकास के नाम पर दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है। वह केवल जनता को जाति और धर्म के नाम पर बांटकर अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति कर रही है।

लेकिन अब जनता उनकी सच्चाई जान चुकी है और आगामी विधानसभा चुनाव में उन्हें सबक सिखाने के लिए तैयार है।

इस मौके पर प्रमुख रूप से वीर सिंह यादव, डॉ. महेंद्र नागर, फकीर चंद नागर, इंद्र प्रधान, कृशांत भाटी, विकास जतन, यूनुस प्रधान, पवन भाटी, कपिल ननका, विनोद लोहिया, नदीम सलमानी, अमित रोनी, दीपक देवटा, विक्रम टाइगर, मोहित यादव, हुकुम सिंह भारती, मुरारीलाल गौतम, अनूप तिवारी आदि मौजूद रहे।

स्कूटी और दो बाइक चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा व ग्रेटर नोएडा के अलग-अलग स्थानों पर वाहन चोरों ने चोरी की तीन वारदातों को अंजाम दिया। इसके अलावा चोर एक कार का साइलेंसर चोरी कर ले गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

प्रेम विहार खोड़ा कॉलोनी में रहने वाले अरुण कुमार ने थाना फेस-3 में अपनी स्कूटी चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अरुण कुमार ने बताया कि वह सेक्टर-65 की कंपनी में काम करता है। 13 जनवरी को वह अपनी स्कूटी को कंपनी के बाहर खड़ा कर भीतर चला गया। शाम के समय जब वह बाहर आया तो उसकी स्कूटी गायब थी।

थाना सूरजपुर में कस्बे में रहने वाले किशन शर्मा ने अपनी बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। किशन शर्मा ने बताया कि 20 जनवरी को वह अपने चाचा के लड़के की बाइक लेकर सूरजपुर स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम से पैसे निकालने गया था। उसने अपनी बाइक बाहर खड़ी कर दी और एटीएम बूथ में चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटा तो उसकी बाइक गायब थी।

थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सेक्टर-22 में रहने वाले करण कौशिक की बाइक चोरों ने घर के बाहर से चोरी कर ली। पीड़ित के मुताबिक उसने 1 फरवरी की रात्रि को बाइक अपने बाहर खड़ी की थी। रात्रि के समय चोरों ने बाइक पर हाथ साफ कर दिया। इसी थाना क्षेत्र के सेक्टर-12 में रहने वाले अमरपाल सिंह की इको कार से चोरों ने साइलेंसर चोरी कर लिया।

आईफोन मोबाइल छीनकर फरार हुए बदमाश

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-3 क्षेत्र के सेक्टर-71 में रहने वाले एक व्यक्ति से बाइक सवार बदमाश आईफोन मोबाइल छीनकर फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सेक्टर-71 में रहने वाले रितेश कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 19 जनवरी को वह खाना खाने के बाद वापस अपने घर लौट रहा था। इस दौरान वह फोन पर बात करता हुआ जा रहा था। पीछे से बाइक पर आये एक बदमाश ने उसके हाथ से मोबाइल फोन झपट लिया। उसने शोर मचा कर बदमाश को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मिल्कीपुर में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान

अयोध्या (चेतना मंच)। अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर आज उपचुनाव के लिए मतदान हो रहा है। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के 414 बूथों पर सुबह सात बजे से मतदान जारी है। 10 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में कैद हो जाएगा।

मिल्कीपुर में उपचुनाव के लिए हो रहे मतदान के बीच सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा अपनी जमानत नहीं बचा पाएगी। ये चुनाव मिल्कीपुर की जनता और योगी सरकार के बीच का है। सीएम योगी को जनता पर भरोसा नहीं है। ये अधिकारियों के सहारे दबाव डालकर चुनाव जीतना चाहते हैं लेकिन ये सब हथकंडे काम नहीं आने वाले हैं।

मिल्कीपुर उपचुनाव में 11:00 तक 29.8 प्रतिशत मतदान हुआ। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने भी मतदान में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। हालांकि इस बारे में पूछे जाने पर जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र विजय सिंह ने बताया कि सभी जगह पर शांतिपूर्वक और निष्पक्ष तरीके से मतदान हो रहा है। निर्वाचन आयोग के सामान्य प्रेक्षक और पुलिस प्रेक्षक भी निगरानी कर रहे हैं।

मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए 414 बूथों पर मतदान हो रहा है। शांतिपूर्ण मंदान के लिए पुलिस प्रशासन ने भी पुख्ता इंतजाम किए हैं। पूरे विधानसभा क्षेत्र को 17 क्लस्टर में बांटा गया है। प्रत्येक क्लस्टर में एक निरीक्षक समेत छह-सात पुलिसकर्मियों की टीम मुस्तैद है।

मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में मतदान के लिए जिले की सीमाएं सील की गई हैं। खासतौर से मिल्कीपुर से जुड़े इलाके के 17 बॉर्डर बैरियर पर सख्त सुरक्षा के इंतजाम हैं। विधानसभा क्षेत्र के अंदर अलग-अलग स्थानों पर 10 पुलिस बैरियर बनाए गए हैं, जहां वाहनों की चेकिंग जारी है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिए "खुली" ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है जो उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, कालोनी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरण : 02-2025-कालोनी, कार्य का नाम - (अ) "जीएम कार्यालय परिसर, पीसीसीएम कार्यालय, पीसीई कार्यालय परिसर और पीसीईई परिसर में स्थित विभिन्न हॉल और कार्यालयों में एयर कंडीशनिंग का प्रावधान" से संबंधित विद्युतीय कार्य तथा (ब) "पीएफए कार्यालय परिसर, पीसीएसटीई, पीसीओएम, पीसीएमडी, पीसीपीओ, पीसीएसओ, पीसीएमएम और पीसीएमई कार्यालय में स्थित विभिन्न हॉल और कार्यालयों में एयर कंडीशनिंग का प्रावधान" से संबंधित विद्युतीय कार्य, **अनुमानित लागत :** ₹ 8,05,78,022.00, **बयाने की राशि :** ₹ 5,52,900.00, **ई-निविदा फार्म का मूल्य :** शून्य, **कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकृत पत्र जारी होने के तिथि से :** 9 माह।

• ऑनलाइन ई-निविदा जमा करने की तिथि 25.02.2025 समय 15:00 बजे तक। • इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा, ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाईट www.ireps.gov.in पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/कालोनी/मुजाधि/विद्युत-234 पू.उ.रे./गोरखपुर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

पृष्ठ एक के शेष....

दिल्ली के वोटरों ...

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आज राष्टपति द्रोपती मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़, कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, राहुल गांधी, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव, शकूर बस्ती से आप उम्मीदवार सत्येंद्र जैन, भाजपा नेता मीनाक्षी लेखी, दिल्ली के पूर्व सीएम अरविन्द केजरीवाल ने अपने माता पिता व पत्नी के साथ वोट डाला इसके साथ ही पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया, सीईसी राजीव कु मार, पूर्व मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूड सहित कई दिगज नेताओं ने वोट डाले।

दिल्ली चुनाव में बाबरपुर में 11 बजे तक सबसे अधिक 31.30 प्रतिशत मतदान हुआ है। राजौरी गार्डन विधानसभा क्षेत्र स्थित निगम प्रतिभा विद्यालय में मतदाताओं की कतार लगी हुई है।

उत्तर पूर्वी जिले में सबसे अधिक मतदान 11 बजे तक मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र में हुआ है। मुस्तफाबाद सीट से एआईएमआईएम के टिकट पर ताहिर हुसैन मैदान में है। दिल्ली में तुगलकाबाद स्थित निगम विद्यालय में मतदान के लिए लोगों की लंबी लाइन देखी गई है। दक्षिणी दिल्ली में मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सतीश उपाध्याय गले में भगवा पटका पहन कर मतदान केंद्र के बाहर पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया। सतीश उपाध्याय ने इसका विरोध किया और कहा यह केवल एक भगवा पटका है ना की चुनाव चिन्ह वाला पार्टी का पटका। इस दौरान उनके समर्थकों ने भारत माता की जय के नारे भी लगाए। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग शांतिपुर ढंग से चल रही है वोटरों को कई भूतों पर गुलाब के फूल और पौधे भी वोट डालने के बाद दिए जा रहे हैं।

आस्था की डुबकी...

लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। वहा मौजूद तीर्थ पुरोहित ने उनका टीका लगाकर अभिनंदन किया। पूजन अर्चन के बाद पीएम मोदी, मुख्यमंत्री के साथ उसी बोट पर बैठकर वापस हैलीपैड की ओर रवाना हो गए।

महाकुम्भ में जहां दुनिया भर के श्रद्धालुओं का समागम हो रहा है, वहां प्रधानमंत्री ने पावन डुबकी के माध्यम से पूरी दुनिया को एक भारत श्रेष्ठ भारत और वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया। बुधवार को पीएम मोदी का संगम स्नान बहुत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण रहा। इस दौरान विशिष्ट योग का भी संयोग रहा। दरअसल, बुधवार का दिन विशेष था, क्योंकि हिंदू पंचांग के अनुसार इस समय गुप्त नवरात्रि चल रही है और बुधवार को भीष्माष्टमी भी थी। गुप्त नवरात्रि पर जहां देवी पूजन किया जाता है तो वहीं, भीष्माष्टमी पर श्रद्धालु अपने पुरखों का तर्पण और श्राद्ध भी करते हैं।

13 दिसंबर को पीएम मोदी ने की थी कई परियोजनाओं की शुरुआत

इससे पूर्व पीएम मोदी ने महाकुम्भ की शुरुआत से एक माह पूर्व 13 दिसंबर को प्रयागराज का दौरा किया था और 5500 करोड़ रुपए की 167 परियोजनाओं की सौगात दी थी। इसमें यात्री सुविधाओं के लिए रेलवे स्टेशनों के अपग्रेडेशन और डेवलपमेंट के साथ-साथ आरओबी फ्लाईओवर, सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण की प्रमुख परियोजनाएं सम्मिलित थीं। इसके अतिरिक्त, स्थायी घाटों, रिवर फ्रंट, सीवरेज, पेयजल सुविधाओं के साथ विद्युत आपूर्ति से जुड़ी परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया था। यही नहीं, पीएम मोदी ने अक्षयवट कॉरिडोर, सरस्वती कूप कॉरिडोर, बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर, भारद्वाज ऋषि आश्रम कॉरिडोर, श्रृंगवेरपुर धाम कॉरिडोर का भी शुभारंभ किया था। इन परियोजनाओं और कॉरिडोर के शुभारंभ का उद्देश्य न सिर्फ श्रद्धालुओं के लिए महाकुम्भ के अनुभव को यादगार बनाना था, बल्कि तीर्थराज प्रयागराज को प्रगति की नई दिशा दिखाना भी था।

महाकुंभ में अब तक 38.29 करोड़ लोग पवित्र स्नान कर चुके हैं। बुधवार को अभी तक 47.30 लाख श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ में अब तक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत तमाम बड़े नाम डुबकी लगा चुके हैं।

स्कॉर्पियो की टक्कर...

फरार हो गया। गंभीर स्थिति में योगेश कुमार को अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया। मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और कार नंबर के आधार पर स्कार्पियो चालक की तलाश कर रही है।

रेप पीड़िता को...

में उसकी बेटी की गवाही होनी है। इस मामले के मुख्य आरोपी अजीत ने 2 फरवरी को उसकी बेटी को वीडियो कॉल कर पिस्तौल व कारतूस दिखाए। अजीत ने उसकी बेटी को धमकी दी कि यदि उसने उसके खिलाफ कोर्ट में गवाही दी या कोई भी प्राइवेट वकील किया तो वह उसे और उसके पूरे परिवार को जान से मार देगा। इस दौरान आरोपी ने फोन पर भद्दी भद्दी गालियां दी।पीड़ित के मुताबिक फोन पर धमकी मिलने के बाद उनकी बेटी और पूरा परिवार सहमा हुआ है। उन्होंने आरोपी की जमानत रद्द कर परिवार को सुरक्षा मुहैय्या कराए जाने की भी मांग की है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

घर में घुसकर युवती...

इस दौरान उसकी बेटी ने शोर मचा दिया। शोर सुनकर वह मौके पर पहुंची और जीतू को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह धक्का देकर वहां से भाग गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ऑटो में बैठी सवारी ने जेब से उड़ाया मोबाइल

नोएडा (चेतना मंच)। शहर के अलग-अलग स्थानों पर चोरों ने एक महिला सहित तीन लोगों के मोबाइल फोन चोरी कर लिए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना सेक्टर-63 में एक व्यक्ति ने ऑटो में अपना मोबाइल फोन चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित ने ऑटो में सवारी के रूप में बैठे अज्ञात बदमाश पर शक जाहिर किया है।

रोहित नेगी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 1 फरवरी को उसने सेक्टर-62 नोएडा के सीआईएसफ कैंप से अपने घर जाने के लिए ऑटो लिया था। उसके बगल में एक व्यक्ति बैठा था। ऑटो में भीड़ अधिक होने के कारण वह बार-बार उन्हें धक्का दे रहा था। बगल में बैठे व्यक्ति ने उसका ध्यान भटका कर जेब से मोबाइल फोन निकाल लिया और कुछ दूर जाने पर ऑटो से उतर गया। ऑटो से उतरने के बाद उसे पता चला कि उसका मोबाइल फोन गायब है। उसने अपने मोबाइल फोन की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

थाना सूरजपुर में एक व्यक्ति ने अपना मोबाइल फोन चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मूल रूप से बनारस के रहने वाले सूरज कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह सूरजपुर कस्बे में किराए का मकान लेकर रह रहा है। 26 सितंबर की सुबह किसी अज्ञात चोर ने उसके कमरे से मोबाइल फोन चोरी कर लिया।

वही मामूरा गांव के बाजार में राशन का सामान लेने गई कमला कुमारी का मोबाइल फोन चोरी हो गया। पीड़िता के मुताबिक वह 2 फरवरी को मामूरा बाजार में राशन का सामान लेने गई थी। इस दिन दौरान किसी व्यक्ति ने उसका मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पुलिस ने तीनों पंडितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

उत्तरी सीरिया में कार बम विस्फोट,19 मरे

दमिश्क। सीरिया के एक उत्तरी शहर के बाहरी इलाके में एक कार बम धमाके में 19 की मौत हो गई। युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा, मनबीज शहर के बाहरी इलाके में महिला कृषि श्रमिकों को ले जा रहे एक वाहन के पास एक कार में विस्फोट होने से 18 महिलाओं व एक पुरुष की मौत हुई, 15 महिलाएं घायल हुईं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। इससे पहले स्थानीय सीरियाई नागरिक सुरक्षा विभाग ने 14 महिलाओं व एक पुरुष की मौत की खबर देकर मृतक संख्या 15 बताई थी।

बेल्जियम के नए पीएम ने ली शपथ

ब्रेसेल्स। बेल्जियम के नए पीएम बार्ट डि वेवर व उनकी मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने सोमवार को पद की शपथ ली। पीएम और प्रमुख मंत्रियों ने डच व फ्रांसीसी भाषा में शपथ ली जबकि 15 सदस्यीय मंत्रिपरिषद के कई अन्य सदस्य रॉयल पैलेस में हुए एक संक्षिप्त समारोह के दौरान अपनी-अपनी भाषा पर अड़े रहे। बेल्जियम में भाषा संबंधी मुद्दे पिछली शताब्दी से चले आ रहे हैं। एन-वीए पार्टी के नेता वेवर ने एलेक्जेंडर क्रू की जगह ली है, जो गत वर्ष हुए चुनाव के बाद से कार्यवाहक पीएम बने हुए थे।

विमान हादसा: 55 मृतकों की हुई पहचान

वॉशिंगटन। रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास पोटोमैक नदी से उस वाणिज्यिक जेट का बड़ा हिस्सा हटा लिया गया, जो पिछले सप्ताह हुई एक टक्कर में शामिल था। इस टक्कर में 67 लोग मारे गए थे। अब तक 67 मृतकों में से 55 की पहचान हो चुकी है।अधिकारियों ने कहा कि विमान को हटाने में कई दिन लगेंगे और उसके बाद सैन्य हेलीकॉप्टर को हटाया जाएगा। यह हादसा बुधवार को हुआ था, जब अमेरिकन एयरलाइंस का जेट और एक सेना का हेलीकॉप्टर टकरा गए थे। यह अमेरिका में 2001 के बाद से सबसे घातक विमान दुर्घटना थी।

इस्राइली सेना ने हथियारों का भंडारण किया नष्ट

तेलअवीव। लेबनान में कई हथियार भंडारण सुविधाओं का पता लगाकर इजरायली सेना ने उसे नष्ट कर दिया।युद्ध विराम के तीसरे महीने में सेनाएं काम करती रहीं इस्राइल का कहना है कि सैनिकों को हिज्बुल्लाह से संबंधित मोर्टार शेल, मिसाइल, रॉकेट, विस्फोटक, आग्नेयास्त्र और अन्य सैन्य उपकरण मिले हैं, लेकिन इसके बारे में कोई ठोस सबूत नहीं दिए गए। सेना ने यह भी बताया कि उसने कई हिज्बुल्लाह आतंकवादियों को मार गिराया है। लेबनान के साथ हुए युद्ध विराम समझौते के तहत दोनों पक्षों को अपनी सेनाएं दक्षिणी लेबनान से हटानी थीं और लेबनानी सेना को क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए 60 दिन का समय दिया गया था। इजरायल का कहना है कि हिज्बुल्लाह और लेबनानी सेना ने अपने दायित्वों को पूरा नहीं किया, जबकि लेबनान ने इजरायली सेना पर आरोप लगाया कि वह लेबनानी सेना को क्षेत्र पर नियंत्रण करने से रोक रही है। 60 दिन की समय सीमा जनवरी के अंत में समाप्त हो गई, लेकिन इजरायल का कहना है कि समझौता आगे बढ़ रहा है।

हिमाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी, बढ़ी ठंड

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम के तेवर बदल गए हैं। राज्य के ऊपरी इलाकों में हल्की बर्फबारी हो रही है। हिल स्टेशनों शिमला और मनाली सहित अन्य शहरों में बादलों की आवाजाही बनी हुई है और सर्द हवाएं चल रही हैं। मैदानी इलाकों में भी मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ है और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई है।

किन्नौर, लाहौल-स्पीति, कुल्लू और चंबा जिले के ऊपरी हिस्सों में बीती रात से रुक-रुक कर हल्की बर्फबारी हो रही है। किन्नौर जिला के कल्पा में 0.2 सेंटीमीटर बर्फबारी दर्ज की गई है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी से तापमान में गिरावट आई है और कई जनजातीय क्षेत्रों में न्यूनतम पारा माइनस में दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने पांच फरवरी तक राज्य के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी और अन्य हिस्सों में बारिश की संभावना जताई है। वहीं किन्नौर और लाहौल स्पीति को छोड़कर अन्य सभी 10 जिलों में आज आंधी और आसमानी बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि 6 और 7 फरवरी को मौसम के साफ रहने की संभावना है, लेकिन इस दौरान मैदानी इलाकों में कुछ जगह घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया गया है। आठ फरवरी से फिर मौसम खराब होने की आशंका है। 8, 9 और 10 फरवरी को राज्य के पहाड़ी इलाकों में दोबारा वर्षा और बर्फबारी के आसार हैं। इस दौरान बर्फबारी की वजह से ऊपरी इलाकों में यातायात प्रभावित हो सकता है। खासकर रोहतांग, बारालाचा, कुंजुम दर्रा, जलोड़ी दर्रा और अन्य ऊंचे दर्रों पर बर्फबारी के कारण रास्ते अवरुद्ध हो सकते हैं।मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य में यह बदलाव आया है। पांच फरवरी को राज्य के अधिकांश ऊंचे इलाकों में बर्फबारी और कुछ मैदानी क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। वहीं 6 और 7 फरवरी को मौसम साफ रहने के बाद 8 फरवरी से एक और पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है, जिससे 8 से 10 फरवरी को दोबारा बारिश और बर्फबारी हो सकती है, इससे पारे में गिरावट आने से शीतलहर बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घण्टों के दौरान मौसम साफ रहने से राज्य के औसतन न्यूनतम तापमान में 1.6 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। शिमला और मनाली का न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि लाहौल स्पीति जिला के ताबो और कूकुमसेरी में आज सुबह न्यूनतम तापमान क्रमशः -7.1 डिग्री व -3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा केलांग में न्यूनतम पारा 0.3 डिग्री, कल्पा में 2.4 डिग्री, ऊना में 3 डिग्री, डल्हौजी में 3.9 डिग्री, सोलन में 4 डिग्री, मनाली में 4.1 डिग्री, भुंतर में 4.6 डिग्री, बिलासपुर में 4.7 डिग्री, धर्मशाला व सुंदरनगर में 5 डिग्री, चम्बा में 5.5 डिग्री, मंडी में 6 डिग्री और शिमला में 7.5 डिग्री रहा।

जयपुर समेत 6 जिलों में हल्की बारिश, छाए बादल, चली ठंडी हवाएं

जयपुर। जयपुर सहित 6 जिलों में मंगलवार सुबह-सुबह हल्की बारिश हुई। बादल छाए रहे और ठंडी हवा चली। इससे पहले पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के साथ सोमवार देर रात राजस्थान के कुछ जिलों में मौसम बदला और बूंदाबांदी हुई। इसमें जयपुर, अजमेर, सिरोही, उदयपुर, राजसमंद, सवाई माधोपुर, टोंक, पाली, जालोर समेत कई जिले शामिल हैं। देर शाम उदयपुर, कोटा, जयपुर, जोधपुर और अजमेर संभाग के जिलों में बादल छाए थे। मौसम विभाग ने मंगलवार को राजस्थान के पूर्वी जिलों में बादल छाने और कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। इससे पहले जयपुर में सोमवार को आसमान साफ रहा और धूप निकली। सबसे अधिक तापमान डूंगरपुर में 30.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चित्तौड़गढ़ में अधिकतम तापमान 30.1 डिग्री सेल्सियस, अजमेर में 25.7, बाड़मेर में 28.2, उदयपुर में 28.5, कोटा में 25, सीकर में 25, जयपुर में 25.1, जैसलमेर में 24.7 और जोधपुर में अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मुंबई नगर निगम ने 74 हजार करोड़ का किया बजट पेश

एजेंसी

मुंबई। मुंबई नगर निगम के आयुक्त भूषण गगरानी ने मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 74427.41 करोड़ रुपये का अनुमानित बजट पेश किया। पिछले वर्ष की तुलना में बजट अनुमान में 14.19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बजट में आवास एवं परिवहन विभाग के लिए 5100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। दहिसर से भयंदर तक तटीय सडक परियोजना के लिए 2025-26 के बजट अनुमान में 4300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।गोरेगांव मुलुंड लिंक रोड परियोजना के लिए 1958 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

भूषण गगरानी की ओर से पेश किए गए बजट में स्वास्थ्य विभाग के लिए 7379 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस वर्ष शिक्षा विभाग का बजट 3955 करोड़ रुपये होगा। बजट में मिशन विजन 27 और मिशन सम्पूर्ण दो मिशन तय किए गए हैं, जिन्हें मुंबई नगर निगम का शिक्षा विभाग कार्यान्वित करेगा। बजट में मुंबई की व्यावसायिक झोपड़ों को भी कर के दायरे में लाया है। मुंबई में 2.5 लाख झुग्गी-झोपड़ियां हैं, जिनमें से 20 प्रतिशत का उपयोग उद्योग, दुकानें, गोदाम और होटल जैसे व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है। मुंबई नगर निगम इन व्यावसायिक संपत्ति मालिकों से कर का आकलन करके संपत्ति कर वसूल करेगा। इससे लगभग 350 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुंबई महानगरपालिका की नई योजना का प्रावधान बजट में किया गया है। इसके तहत विदेशी प्रजाति के जेबरा, सफेद शेर, जगुआर आदि मुंबई लाए जाएंगे। इसी तरह मुंबई शहर में कोलीवाड़ा के विकास के लिए 25 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की भूमिगत सुरंग में बाघ की मूर्ति स्थापित की जाएगी। भूषण गगरानी ने बताया कि दक्षिण मुंबई के दर्शनीय स्थल काला घोड़ा और रीगल जंक्शन क्षेत्र का नवीनीकरण किया जाएगा। मुंबई नगर निगम ने अपने ही बेस्ट उपक्रम को 2025-26 में 1000 करोड़ रुपये का आर्थिक सहयोग करने का प्रावधान किया है। इसी तरह मुंबई शहर में पर्यावरण विभाग के लिए 113.18 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

प्रोड्यूसर की लाश घर में पंखे से लटकी मिली

पणजी । साउथ फिल्म इंडस्ट्री के प्रोड्यूसर सुंकारा कृष्ण प्रसाद चौधरी की लाश गोवा में मिलने से हड़कंप मच गया। चौधरी के नाम से मशहूर प्रोड्यूसर की लाश उनके घर में पंखे से लटकी हुई मिली। पुलिस के मुताबिक चौधरी की लाश उनके घर में पंखे से लटक रही थी। जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई, लेकिन तब देर हो चुकी थी। सूत्रों के मुताबिक चौधरी ने आत्महत्या की है। हालांकि मौत की असली वजह अभी सामने नहीं आई है, लेकिन कहा जा रहा है कि फिल्म इंडस्ट्री में आर्थिक नुकसान के बाद ड्रग्स केस में उनकी गिरफ्तारी के बाद से चौधरी बहुत अधिक आहत थे। प्रोड्यूसर वर्तमान में गोवा में एक पब चलाते थे।

भारतीयों की अमेरिका से विदाई विमान के जरिए किया डिपोर्ट

एजेंसी

वॉशिंगटन। नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पद संभालने के बाद पहली बार अमेरिका ने विमान के जरिए भारतीय अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किया है। अमेरिका से अवैध प्रवासियों को वापस भेजे जाने का सिलसिला लगातार जारी है। इनमें ऐसे भारतीय भी शामिल हैं, जिन्हें अमेरिका में अवैध प्रवासी करार दिया जा चुका है। ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातचीत में भी यह मुद्दा उठा था। डिपोर्ट के काम में जुटी ये उड़ानें लोगों को ग्वाटेमाला, पेरू और होंडुरस भी ले जा रही हैं। खास बात है कि ट्रंप के दफ्तर संभालने के बाद यह पहला मौका है, जब अमेरिका से भारतीयों को डिपोर्ट किया गया है। भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से बातचीत में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी भारतीयों के अवैध प्रवासन का मुद्दा उठाया था। वहीं, ट्रंप ने कहा था कि इस मुद्दे पर भारत वही करेगा, जो सही होगा।जयशंकर ने कहा था, इसमें कई और अवैध गतिविधियां भी शामिल हैं। ऐसा नहीं चाहते हैं और यह प्रतिष्ठा के लिहाज से भी अच्छा नहीं है। अगर ऐसा है कि हमारे नागरिक यहां अवैध रूप से रह रहे हैं और हम यह सुनिश्चित कर लेते हैं कि वह हमारे नागरिक हैं, तो हम वैध तरीके से उनके भारत लौटने के लिए तैयार हैं। हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अक्तूबर 2023 से सितंबर 2024 के बीच अमेरिका ने 1100 से ज्यादा अवैध प्रवासियों को भारत भेजा था।

बनारस में नाविकों ने शुरू की हड़ताल श्रद्धालु और पर्यटक हो रहे परेशान

एजेंसी

वाराणसी । महाकुंभ के मौके पर एक ओर प्रयागराज के साथ बनारस में भी गंगा किनारे के घाटों पर बड़ी संख?या में श्रद्धालु और पर्यटक जुट रहे हैं। उनमें से कई नौका विहार भी कर रहे हैं। दूसरी ओर नाविकों ने हड़ताल शुरू कर दी है। माझी समाज ने गिरफ्तार साथियों की रिहाई तक नाव संचालन ठप रखने की घोषणा की है। यह निर्णय माझी समाज ने हड़ताल के पहले दिन दशाश्वमेध घाट पर हुई बैठक में लिया। इस दौरान समाज के लोगों ने जिला प्रशासन से जब्त नावें भी छोड़ने की मांग की। दरअसल, मान मंदिर घाट के सामने दो नावों की टक्कर में 18 दर्शनार्थियों से भरी नाव पलट गई थी। जलकल पुलिस और. एनडीआरएफ ने नाविकों की मदद से सभी को सकुशल बचा लिया। लेकिन दूसरे दिन जल पुलिस ने अभियान चलाकर 25 सवारी से कम क्षमता वाली प्रतिबंधित नावें जब्त कर 13 नाविकों का चालान किया। माझी समाज ने कहा है कि गिरफ्तार साथियों की रिहाई होने तक हड़ताल जारी रहेगी। समाज के नेता प्रमोद माझी की अध्यक्षता में हुई बैठक में तय किया गया कि प्रशासन के उत्पीड़न के खिलाफ उनकी लड़ाई न्याय मिलने तक जारी रहेगी।

ट्रंप की धमकी से घबराए यूरोपीय संघ के नेता

वॉशिंगटन। रूस-यूक्रेन युद्ध में उलझे यूरोपीय संघ के नेता अब ट्रंप की ताजा धमकी से घबरा रहे हैं। यूरोपीय संघ के नेता इस बात पर विचार कर रहे हैं कि किस तरह से अमेरिका और यूरोप के बीच व्यापार युद्ध को रोका जाए। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क का कहना है कि यह एक क्रूर विरोधाभास होगा, जहां एक तरह हम रूस के खतरे से दो-चार हो रहे हैं, वहीं चीन की विस्तारावादी नीति से जूझना पड़ रहा है। अब ट्रंप द्वारा यूरोप पर टैरिफ लगाने की धमकी दी है। साथ ही उन्होंने नाटो सहयोगी डेनमार्क के स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड पर भी कब्जा करने की बात कही है।

चीन ने स्पेस स्टेशन में ही बनाए ऑक्सीजन और ईंधन

एजेंसी

बीजिंग। चीन के शोनझोऊ-19 क्रू सदस्यों ने पहली बार तियानगोंग स्पेस स्टेशन में ही ऑक्सीजन और रॉकेट ईंधन की तत्वों को बनाने में सफलता हासिल की है। इसके लिए उन्होंने आर्टिफिशियल फोटो सिंथेसिस यानी कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण तकनीक का इस्तेमाल किया है। पृथ्वी की निचली कक्षा में मौजूद स्पेस स्टेशन में ही क्रू के सदस्यों ने इस तकनीक का प्रदर्शन किया जिसे भविष्य में लंबे अंतरिक्ष अभियानों के लिए रास्ता खुल सकता है। इतना ही नहीं साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक यह तकनीक 2030 तक चीन के यात्रियों को चंद्रमा पर

उतारने में भी मददगार साबित हो सकती है। खास बात ये थी कि शोधकताओं ने जिस हाइड्रोकार्बन को बनाया वह ईथायलीन था जिसे रॉकेट के ईंधन के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इस प्रयोग पर सबसे पहले 2015 में विचार किया गया था। प्रयोग में कुछ खास पहलुओं का ध्यान रखा गया था। इनमे कार्बन डाइऑक्साइड को कमरे के तापमान में ही बदलना, गैस परिवाहन, माइक्रोग्रैविटी में ठोस, तरल एवं गैस की कई प्रतिक्रियाओं और उत्पादों की वास्तविक समय में पहचान करना शामिल था। आर्टिफिशियल फोटो सिंथेसिस यानी कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण तकनीक ऊर्जा का खर्च काफी कम कर देती हैं क्योंकि वह कमरे के तापमान और मानक वायुमंडलीय दबाव पर ही कारगर तरह से काम कर सकती हैं। वहीं कैटालिस्ट के उपयोग के जरिए इसे कई और उत्पादों, जसे कि मीथेन या ईथायलीन जैसे ईंधनों के उत्पादन के लिए भी तैयार किया जा सकता है। चीन के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी ने बताया कि तकनीक कुदरती प्रकाश संश्लेषण की ही नकल है जिसमें हरे पौधे भौतिक और रासायनिक पद्धतियों का इस्तेमाल किया गया है।

चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर लगाया जवाबी शुल्क

एजेंसी

बीजिंग। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को अमेरिका के खिलाफ कई उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। इसके साथ ही चीन ने अमेरिकी सर्च इंजन गूगल की जांच करने के बाद अन्य व्यापार संबंधी उपायों की भी घोषणा की है। सरकार ने बताया कि कोयला और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) उत्पादों पर 15 प्रतिशत शुल्क लागू किया जाएगा। साथ ही, कच्चे तेल, कृषि मशीनरी, और बड़ी कारों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। चीन के मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका की एकतरफा शुल्क वृद्धि विश्व व्यापार संगठन के नियमों का गंभीर उल्लंघन है। यह न केवल चीन

और अमेरिका के सामरिक संबंधों को प्रभावित करेगा, बल्कि विश्व व्यापार को भी हानि पहुंचाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 10 प्रतिशत शुल्क लागू किया था। हालांकि, ट्रंप की योजना है कि वे अगले कुछ दिनों में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बातचीत करें। इसके अलावा ट्रंप ने मेक्सिको, कनाडा, और चीन से आयात होने वाली वस्तुओं पर कड़े शुल्क लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने यह कदम अमेरिकियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया था। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के साथ ट्रंप ने दोनों देशों पर शुल्क लगाने के फैसले के क्रियान्वयन पर कम से कम एक महीने के लिए रोक लगाने की सहमति जताई है। चीन के स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन फॉर मार्केट रेगुलेशन ने गूगल पर एंटीट्रस्ट कानूनों के उल्लंघन के शक में जांच करने की घोषणा की है। यह घोषणा ट्रंप के शुल्क लागू होने के मिनटों बाद की गई है।

सेंटोरिनी में भूकंप के कारण स्कूल बंद

एथेंस। ग्रीस के सेंटोरिनी द्वीप स्थित लोकप्रिय पर्यटन स्थल, एजियन सागर में स्थित स्कूल सोमवार को बंद कर दिए गए। फुटबॉल मैदानों पर टेंट लगा दिए गए हैं। अधिकारियों ने सप्ताहांत में आए भूकंपों के बाद ये एहतियाती कदम उठाए हैं। वैज्ञानिकों ने कहा कि उस समय, भूकंप के झटके कई महीनों तक चले, लेकिन इससे जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। सेंटोरिनी हेलेनिक ज्वालामुखी आर्क का हिस्सा है। इतिहासकारों के अनुसार, 3,600 साल पहले एक बड़े ज्वालामुखी विस्फोट के कारण विनाशकारी सुनामी आई थी, जो क्रेते तक पहुंच गई थी। हालांकि, आधुनिक इतिहास में कोई भी बड़ी ज्वालामुखी आपदा दर्ज नहीं की गई है।

सम्राट विक्रमादित्य के सिंहासन बत्तीसी से पुतली इंदुमति गायब

एजेंसी

उज्जैन। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के सामने सम्राट विक्रमादित्य का टीला है। यह सिंहासन बत्तीसी के नाम से मशहूर है लेकिन अब यह सिंहासन इकत्तीसी रह गया है, क्योंकि 32 में से छठवीं पुतली इंदुमति गायब है। उनके स्थान पर केवल एक बांस और स्टैंड रह गया है। सामने पट्टिका नहीं होती तो पता लगाना भी मुश्किल होता कि यहां कोई पुतली भी थी।उज्जैन नगर निगम ने सिंहस्थ 2016 के पहले 4.90 करोड़ रुपए से सम्राट विक्रमादित्य के प्राचीन टीले का सौंदर्यीकरण करवाया था। तब यहां विक्रमादित्य की विशाल प्रतिमा के साथ परिसर में बत्तीस पुतलियां

और नौ रत्न की प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। आठ साल में इसका रखरखाव नहीं किया गया। निगम आयुक्त ने कहा कि पता करवाएंगे कि पुतलियों की क्या स्थिति है। रुद्रसागर में विक्रम टीले तक पहुंचने के लिए 65 मीटर लंबा आर्च ब्रिज बनाया गया है। इसके अलावा गोलाकार में बत्तीस पुतलियां स्थापित की गई थीं। श्रीडी वॉल म्यूरल से इसे सजाया गया था। यहां पर उज्जैन के प्राचीन सिक्के और सम्राट विक्रमादित्य कालीन स्वर्ण मुद्राओं को भी देखा जा सकता है। प्रोजेक्ट के तहत सम्राट विक्रमादित्य सहित बत्तीस पुतलियों का निर्माण इंदौर में किया गया था। नवंबर 2015 से ही मूर्तियों की स्थापना शुरू होने लगी थी।सम्राट विक्रमादित्य की 25 फीट ऊंची प्रतिमा सिंहासन बत्तीसी पर विराजमान की गई है। प्रतिमा के सामने विक्रमादित्य के नौ रत्नों की मूर्तियां और आसपास 5-5 फीट की बत्तीस पुतलियों की प्रतिमा स्थापित की गई थी।

बीआरओ ने एलएसी पर बिछा दिया सड़कों का जाल

- क्लास 70 की बनाई जा रही सड़कें और ब्रिज, सीमा पर जल्द पहुंचना होगा आसान

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत अपने चालाक पड़ोसी देशों के साथ हाई एल्टीट्यूड में सीमा साझा करता है। पाकिस्तान के साथ एलओसी और चीन के साथ एलएसी। भारतीय सेना 9000 फिट से लेकर 19,000 फिट की ऊंचाई पर यहां तैनात है। पहले जंग के दौरान कम समय पर सीमाओं तक पहुंचना बड़ी चुनौती थी। अब ऐसा नहीं है, बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) इंफ्रास्ट्रकचर के निर्माण कर रही है। इसका उदाहरण है साल 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीन

के दुस्साहस का भारतीय जवाब है। भारतीय सेना ने अपनी तैनाती को कम समय पर इतनी तेजी से बढ़ाया की चीन को बैकफुट पर आना पड़ा। 2025-26 में भी बीआरओ अपने काम को तेजी से जारी रखा है। इस साल के रक्षा बजट में बीआरओ को 7146 करोड रुपए का बजट आवंटित किया है। यह बीआरओ को मिलने वाला अब तक का सबसे ज्यादा बजट है। साल 2024-25 में यह बजट 6500 करोड का था। बीआरओ इस क्षेत्र में नए कीर्तिमान बनाकर चीन और पाकिस्तान को पीछे धकेल रही है। पिछले 4 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2021 से 2024 तक बीआरओ ने 12 राज्यों और 2 संघ शासित प्रदेशों में 405 इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का निर्माण कर देश को समर्पित किया है। इसमें सड़कें, ब्रिज, टनल, हैलीपैड शामिल हैं। भारत की कोशिशें है कि सीमा के पास रहने वाले और अपनी सीमा की सुरक्षा में तैनात सैनिकों को ऑल वेदर कनेक्टिविटी मिले। इसके लिए सड़क और टनल को प्राथमिकता दी जा रही है। पूरी एलएसी तक जाने वाली सड़कों पर जितने भी ब्रिज हैं उन्हें क्लास 70 का बनाया जा रहा है। यानी की 70 टन के भारी भरकम टैंक और अन्य सैन्य उपकरणों को आसानी से और तेजी से सीमा तक पहुंचाया जा सके। हाई ऑलटेट्यूड एरिया में सडके बनाना चुनौती है यहां बर्फबारी, माइनस तापमान और भारी बारिश के चलते साल में काम करने के लिए महज 4 से 5 महीने ही मिलते हैं। पहाड़ों में टनल के लिए ड्रिलिंग भी बहुत कठिन होती है लेकिन नई तकनीक के उपकरण और बीआरओ के जज्बे के सामने सभी कठिनाइयां बौनी साबित हो रही है। बीआरओ दुनिया में तकनीक के मामले में सबसे बेहतर है। बीआरओ ने साल 2021 में 102 प्रोजेक्ट जिसमें, 2022 में 103 प्रोजेक्ट, 2023 में 125 और 2024 में 75 रोड टनल को तैयार कर राष्ट्र को समर्पित कर चुके हैं। बॉरड रोड ऑर्गेनाइजेशन का गठन 1960 में हुआ था। सिर्फ दो प्रोजेक्ट पूर्वोत्तर में प्रोजेक्ट टसकर जिसे आज वर्तक के नाम से जाना जाता है और नॉर्थ में प्रोजेक्ट बीकॉन के साथ शुरू किया था।

एक साल बाद सऊदी अरब की जेल से छूटे सामाजिक कार्यकर्ता जहैक तनवीर

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब में एक साल तक जेल में बंद भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता जहैक तनवीर रिहा हुए हैं। जहैक को दिसंबर 2023 में पाकिस्तान विरोधी कंटेंट पोस्ट करने के आरोप में सऊदी अरब में गिरफ्तार किया था। एक साल से ज्यादा समय बाद वे छूटे हैं। बाहर आने के बाद तनवीर ने सोशल मीडिया पर अपनी रिहाई की पुष्टि की है। उन्होंने इतने समय तक जेल में रखने पर निराशा जाहिर करने के साथ भारत का धन्यवाद भी किया। जहैक ने अपनी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए भारतीय दूतावास को धन्यवाद दिया है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और भारतीय राजनयिक सुहेल एजाज खान का जहैक ने विशेष धन्यवाद दिया है। जहैक

बताया कि भारतीय अधिकारी जेल में उनसे अक्सर मिलने आते थे और उन्हें हर तरह से मदद करते थे। 39 वर्षीय तनवीर ने बताया कि उन्हें दिसंबर 2023 में पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) की शिकायत के बाद सऊदी पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन पर आरोप लगा था कि उन्होंने पाकिस्तान की राजनीतिक व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश की। तनवीर का कहना है कि उन्हें नहीं पता था कि सऊदी अरब में पाकिस्तान के खिलाफ बोलना मना है।

खास खबर

भारत की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां उच्च स्तर पर

नई दिल्ली। विनिर्माण क्षेत्र में निर्यात में ऐतिहासिक गति के साथ देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां उच्च स्तर तक पहुंच गई हैं। एचएसबीसी इंडिया के पीएमआई द्वारा प्रस्तावित सूचकांक के अनुसार, विनिर्माण खरीदों में वृद्धि के कारण उच्च स्तरों पर पहुंच गई है। नवीन ऑर्डरों के वृद्धि से विनिर्माण कॉन्टिन्यूएड में एक नक्शा बढ़ा, जिससे पीएमआई के आंकड़े में भी उछाल आया है। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने बताया कि अधिक मांग और इजादी बिक्री के कारण कंपनियों ने उत्पादन में मात्रा बढ़ाने का सामर्थ्य प्राप्त किया है। इस आमंत्रण के फलस्वरूप, विनिमार्ताओं ने वृद्धि की गतिविधियों में सकारात्मक उतार-चढ़ाव देखा है। लेकिन लागत के मामले में एचएसबीसी कहता है कि कंपनियों पर दबाव मजबूत है, जिसका कारण 11 महीनों में लागत के निचले स्तर की ओर पहुंच गया है। लागत से जुड़ी महंगाई दूसरे महीने से घटती है, जिससे कंपनियों को उत्पादन मूल्यों में वृद्धि करने के लिए कम दबाव लगता है।

टीवीएस होल्डिंग्स ने होम क्रेडिट का अधिग्रहण पूरा किया

चेन्नई। टीवीएस होल्डिंग्स लिमिटेड ने होम क्रेडिट इंडिया फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड की 80.74 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है और इससे समूह की प्रबंधनाधीन ऋण सम्पत्तियों का आधार 33,000 करोड़ रुपये है। यह सौदा 554 करोड़ रुपये में हुआ है। कंपनी की शेष 19.26 प्रतिशत हिस्सेदारी प्रेमजी इन्वेस्ट और टीवीएस होल्डिंग्स के अन्य सहयोगियों द्वारा खरीदी गई है। टीवीएस होल्डिंग्स ने समूह के ऋण पोर्टफोलियो को तीन साल में 50 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

पाकिस्तान ने तेल आयात को लेकर सऊदी के साथ किया समझौता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सरकार ने अपने तेल आयात पर 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर के भुगतान को एक साल के लिए स्थगित करने के लिए सऊदी फंड फॉर डेवलपमेंट (एसएफडी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। जिसमें पाकिस्तान और एसडीएफ ने दो वित्तपोषण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों में एक वर्ष के लिए 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर के सऊदी अरब से तेल आयात का भुगतान स्थगित करना और 4.1 करोड़ डॉलर की लागत से मनसेहरा में गुरुत्व प्रवाह जल आपूर्ति योजना का निर्माण शामिल है। इस महत्वपूर्ण समझौते पर आर्थिक मामलों के सचिव और सऊदी विकास कोष के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सऊदी राजदूत नवाफ बिन सईद अल-मलकी भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज ने तेल आयात वित्तपोषण सुविधा पर हस्ताक्षर का स्वागत किया है।

चीन ने कोयले, एलएनजी उत्पादों पर लगाया 15 प्रतिशत शुल्क

बीजिंग। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा की कि वह अमेरिका के खिलाफ कई उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाएगा। सरकार ने कहा कि वह कोयला तथा तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) उत्पादों पर 15 प्रतिशत शुल्क लगाएगी। साथ ही कच्चे तेल, कृषि मशीनरी, बड़ी कारों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चीन पर लगाया गया 10 प्रतिशत शुल्क मंगलवार से लागू होगा। हालांकि ट्रंप ने अगले कुछ दिनों में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बातचीत करने की योजना बनाई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मेक्सिको, कनाडा और चीन से आयात होने वाली वस्तुओं पर कड़े शुल्क लगाने संबंधी एक आदेश पर शनिवार को हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने दावा किया था कि ये शुल्क अमेरिकियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। हालांकि, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के साथ अलग-अलग वार्ताओं में ट्रंप ने दोनों देशों पर शुल्क लगाए जाने के फैसले के क्रियान्वयन पर कम से कम एक महीने के लिए रोक लगाने पर सहमति जताई है।

झारखंड के विद्यार्थियों ने पहली बार हैकाथॉन में भाग लिया

- झारखंड में स्कूलों के कार्यक्रम ने 185 स्कूलों, 91 शिक्षकों और 36707 शिक्षार्थियों तक पहुंच बनाई

एजेंसी

रांची। नवाचार का भविष्य सुरक्षित हाथों में है क्योंकि क्वेस्ट एलायंस ने अपने परिवर्तनकारी पांच दिवसीय हैकथॉन, हैकट्रू द फ्यूचरः इनोवेटिंग फॉर पार्टिसिपेटरी फ्यूचर्स को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस अभूतपूर्व पहल ने पांच राज्यों गुजरात, आंध्रप्रदेश, झारखंड, कर्नाटक और ओडिशा से 150 से अधिक युवा दिमागों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए प्रभावशाली, स्केलेबल समाधान विकसित करने के लिए एक साथ लाया। 27 से 31 जनवरी तक बेंगलुरु में क्वेस्टलर्निंग ऑब्जर्वेटरी में आयोजित इस कार्यक्रम में रचनात्मकता, तकनीकी विशेषज्ञता और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा दिया गया। विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से युवा प्रतिभागी, भाषा की बाधाओं को पार करते हुए सहयोग करने, नई तकनीकों का पता लगाने और उद्योग के सलाहकारों के साथ जुड़ने के लिए एक साथ आए। यह पहली बार है जब झारखंड के छात्रों ने हैकाथॉन में भाग लिया। झारखंड के जमशेदपुर में सीएमएसओई गर्ल्स स्कूल की पांच छात्राओं ने लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ते हुए दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों की समस्या पर प्रकाश डाला। उन्होंने पाया कि दोपहिया वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं में 87% मौतें हेलमेट न पहनने के कारण होती हैं और इनमें से 70% मौतें चालक और 30% पीछे बैठे लोगों की होती हैं। समस्या से घबराने से इनकार करते हुए उन्होंने एक स्मार्ट हेलमेट बनाया जो मोटरसाइकिल सवारों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में मदद करेगा। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि उनके प्रोटोटाइप सबसे गरीब लोगों के लिए किफायती हों, इसलिए उन्होंने कच्चेमाल और अंतिम प्रोटोटाइप की लागत-प्रभावशीलता पर विचार किया। पिछले साल (2023-24) में ही झारखंड में स्कूलों के कार्यक्रम ने 185 स्कूलों, 91 शिक्षकों और 36707 शिक्षार्थियों तक पहुँच बनाई। छात्रों में से एक, शकुंतला मुर्मू ने उत्साह पूर्वक कहा, हम हैकाथॉन के लिए बैंगलोर आने के लिए उत्साहित थे। मैंने सोचा था कि हम पूरे दिन परीक्षण उत्पाद पर काम करेंगे, लेकिन हमें अपने पाठों के अलावा कई पाठ्येतर गतिविधियों का आनंद लेने का मौका मिला। महीने भर की प्रक्रिया ने हमें अपने मेंटरों की मदद से सर्किट, कोडिंग, आईओटी और बहुत कुछ के साथ काम करना सिखाया।

कोलकाता के कुम्हारटोली कारीगरों ने प्राची बंसल का किया रूपांतरण

मुंबई। सोनी सब के लोकप्रिय शश्रीमद् रामायण शो में एक अत्यंत शक्तिशाली दृश्य प्रस्तुत किया गया, जहां माता सीता ने सहस्रमुख रावण से श्री राम को बचाने के लिए काली मां का रौद्र रूप धारण किया। कोलकाता के प्रसिद्ध मूर्तिकला केंद्र कुम्हारटोली की प्रेरणा से इस रूपांतरण को वास्तविकता के करीब लाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। एक कुशल मेकअप आर्टिस्ट कोलकाता से सीधे उमरगांव के सेट पर पहुंचे, जिन्होंने प्राची बंसल के इस शक्तिशाली रूप को साकार किया। काली मां के पारंपरिक आभूषण, जैसे मुंड माला और चंड माला, विशेष रूप से तैयार कर 48 घंटे के भीतर सेट तक पहुंचाए गए। इस अनुभव के बारे में प्राची बंसल ने कहा, मैं यह देखकर अभिभूत हो गई कि काली मां के रूप में मेरे लुक को लेकर कितनी गहरी बारीकियों पर ध्यान दिया गया। इस रूपांतरण के दौरान मैंने उनकी शक्ति को सच में महसूस किया।

महाकुंभ में बिछड़े तीर्थयात्रियों को मिलाने के लिए नंबर रक्षक लांच

एजेंसी

रांची। जाने-माने दूरसंचार प्रदाता ने श्रद्धालुओं को कनेक्टेड बनाए रखने के लिए पर्सनल कॉन्टेक्ट नंबर से युक्त रूद्राक्ष तुलसी ब्रेसलेट उपलब्ध कराए हैं। हर बार महाकुंभ मेले में हजारों तीर्थयात्री अपने परिवारजनों से बिछड़ जाते हैं। 2013 में अलाहाबाद (अब प्रयागराज) कुंभ में तकरीबन 70000 लोग अपनों से बिछड़ गए। इस साल भी ऐसा ही चुनौतियां सामने आ रही हैं, पहले दिन पहले कुछ ही घण्टों में 250 से अधिक लोगों के खो जाने की रिपोर्ट दर्ज की गई। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में फरवरी माह में त्रिवेणी संगम पर शनि स्नान के पावन दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। ऐसे में अपने प्रियजनों को खोने का डर श्रद्धालुओं के लिए बड़ी चिंता का विषय है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता, वी लेकर आए हैं वी नंबर रक्षक पहल जो सुनिश्चित करेगी कि कोई भी प्रियजन एक दूसरे से न बिछड़े। आज के दौर में टेक्नोलॉजी ने लोगों को कनेक्टेड बनाए रखने का तरीका पूरी तरह से बदल डाला है, हालांकि आज भी बहुत से लोग डिजिटली सक्षम नहीं हैं, विशेष रूप से बुजुंग और छोटे बच्चे। अक्सर इनके पास मोबाइल फोन नहीं होता और उन्हें अपने परिवार के फोन नंबर याद नहीं रहते, वे डिजिटल टूल्स के बारे में जागरुक नहीं होते। इसी को ध्यान में रखते हुए वी ने स्वामी रामानंद आचार्य शिविर अखाड़ा की लोकेशन में वी नंबर रक्षक बूथ स्थापित किया है। यह बूथ श्रद्धालुओं को रूद्राक्ष और तुलसी के मोतियों से बने कॉम्पलीमेंटरी ब्रेसलेट देगा, जिस पर उनके परिवारजनों या साथियों का पर्सनल एमरजेन्सी कॉन्टेक्ट नंबर होगा। इस तरह श्रद्धालुओं के लिए मोबाइल फोन या इंटरनेट कनेक्टिविटी न होने पर भी अपने परिवारजनों से फिर से मिलना आसान हो जाएगा। इस अवसर पर अवनीश खोसला, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर ने कहा कि वी नंबर रूद्राक्ष दर्शाता है कि किस तरह सरल से समाधान लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पीएनबी मेटलाइफ और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक साथ मिलकर पेश करेंगे समावेशी लाइफ इंश्योरेंस समाधान

एजेंसी

मुंबई। पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (पीएनबी मेटलाइफ) और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने एक योजनाबद्ध बैंकएश्योरेंस भागीदारी की है। इसका उद्देश्य देश भर में लाखों लोगों के लिए लाइफ इंश्योरेंस समाधान आसानी से उपलब्ध कराना है। समीर बंसल, एमडी एवं सीईओ, पीएनबी मेटलाइफ ने कहा, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के साथ हमारी यह साझेदारी एक व्यावसायिक भागीदारी से बढ़कर है। हमारे लिए यह सभी भारतीयों को लाइफ इंश्योरेंस उपलब्ध कराने की साझा प्रतिबद्धता है। यह साझेदारी

हमारी उस मान्यता को दर्शाती है कि इंश्योरेंस केवल एक प्रोडक्ट ना होकर परिवारों के लिए सुरक्षा एवं दृढ़ता का वादा करता है। हम साथ मिलकर, सभी के लिए वित्तीय समावेशन की दिशा में बड़े कदम उठाना चाहते हैं, जो मिलकर लाइफ आगे बढ़ाएं के हमारे सिद्धांत के अनुकूल होगा। आर विस्वेस्वरन, एमडी एवं सीईओ, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने कहा, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की स्थापना पूरे देश में समावेशी वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के सिद्धांत पर हुई थी। पीएनबी मेटलाइफ के साथ भागीदारी करने से हमारे इस मिशन को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी और हमारे ग्राहकों की जरूरतों के हिसाब से लाइफ इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स की एक विस्तृत रेंज उपलब्ध कराने में आसानी होगी। हम साथ मिलकर अपने ग्राहकों के लिए वित्तीय सुरक्षा हेतु एक मजबूत ईकोसिस्टम निर्माण करने जा रहे हैं।

इंडियन बैंक ने किया नराकास बैंक की 31वीं अर्धवार्षिक बैठक का आयोजन

एजेंसी

रांची। मंगलवार को इंडियन बैंक द्वारा होटल ली लैक सरोवर, रांची में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), राँची की 31वीं बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के डॉ. विचित्रसेन गुप्त, उप निदेशक विशेष रूप से आमंत्रित थे। नराकास (बैंक) राँची के अध्यक्ष एवं इंडियन बैंक के अंचल प्रबंधक राम स्वरूप सरकार; भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक, प्रेम रंजन प्रसाद सिंह एवं उप निदेशक डॉ. विचित्रसेन गुप्त द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ। इसके अलावा, यूनियन बैंक के महाप्रबंधक बैजनाथ सिंह, इंडियन बैंक के उप अंचल प्रबंधक मनीष कुमार एवं सभी बैंकों/वित्तीय संस्थानों/ बीमा कंपनियों के कार्यालय प्रधान एवं राजभाषा अधिकारीगण उपस्थित रहें। बैठक का संचालन नराकास के सदस्य सचिव एवं इंडियन बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक ओम प्रकाश वर्मा ने किया।

नई एसयूवी की दुनिया में कदमः किआ सिरोस ने पेश किया एक नया एसयूवी सेगमेंट

एजेंसी

नई दिल्ली। किआ इंडिया, प्रीमियम गाड़ियां बनाने वाली एक प्रमुख कंपनी, ने अपनी नई किआ सिरोस को लॉन्च किया है। यह मिड और कॉम्पैक्ट एसयूवी कैटेगरी के बीच एक नया सेगमेंट पेश करता है। इसकी कीमत 8.99 लाख रुपये रखी गई है। किआ सिरोस का डिजाइन अपने प्रीमियम मॉडल्स EV9 और कार्निवल से प्रेरित है, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक, प्रीमियम कम्फर्ट और बोल्ड डिजाइन का बेहतरीन संयोजन देखने को मिलता है। यह भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है। असाधारण टेक्नोलॉजी और स्मार्ट कनेक्टिविटी किआ सिरोस में असाधारण तकनीक और स्मार्ट कनेक्टिविटी का खास ध्यान रखा गया है। इस सेगमेंट में पहली बार ओवर-द-एयर सॉफ्टवेयर अपडेट सिस्टम पेश

किया गया है, जो 16 कंट्रोलर्स के ऑटोमैटिक अपडेट की अनुमति देता है। इसके लिए डीलरशिप पर जाने की जरूरत नहीं होती, जो आमतौर पर लग्जरी वाहनों में देखा जाता है। किआ कनेक्ट 2.0 सिस्टम में 80 से अधिक फीचर्स दिए गए हैं, जो शानदार कनेक्टिविटी और इंटेलिजेंट व्हीकल मैनेजमेंट के जरिए गाड़ी चलाने का अनुभव और भी बेहतर बनाते हैं। इसके साथ ही, किआ कनेक्ट डायग्नोसिस फीचर भी मौजूद है, जो यूजर्स को अपने वाहन की स्थिति को दूर से ही जांचने की सुविधा देता है। साथ ही, किआ एडवांस्ड टोटल केयर ग्राहकों को टायर बदलने और रखरखाव जैसी सेवाओं के बारे में पहले से अलर्ट करता है, जिससे गाड़ी की ओनरशिप का अनुभव बिना किसी चिंता के और भी सुखद बन जाता है। जबर्दस्त एवं स्पेशियस इंटीरियर्स किआ सिरोस में शानदार कम्फर्ट और स्पेशियस इंटीरियर्स दिए गए हैं।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में 2025 के लिए दिए 3.764 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली। भारत ने वर्ष 2025 के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में 3.764 करोड़ यूएस डॉलर का भुगतान किया है। इसके साथ ही वह संयुक्त राष्ट्र को उसके नियमित बजट का पूरा और समय पर भुगतान करने वाले 35 सदस्य देशों की सूची में शामिल हो गया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान जारी कर बताया कि भारत ने वर्ष 2025 के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में 37.64 मिलियन (3.764 करोड़) यूएस डॉलर का 31 जनवरी, 2025 को भुगतान किया है। इससे वह उन 35 सदस्य देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र को अपने नियमित बजट का पूरा और समय पर भुगतान किया है।

ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एस1 पोर्टफोलियो को जेन 3 में किया विकसित

एजेंसी

जमशेदपुर/रांची। भारत की सबसे बड़ी प्योर-प्ले ईवी कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एस1 जेन 3 पोर्टफोलियो का लॉन्च करके इलेक्ट्रिक वाहन की टेक्नोलॉजी को नैक्स्ट लेवल में पहुँचा दिया है। ये इलेक्ट्रिक स्कूटर एडवांस्ड जेन 3 प्लेटफॉर्म पर बने हैं। इस नए पोर्टफोलियो में एस1 एक्स (2 किलोवाट-घंटा) का मूल्य 79,999 रुपये से शुरू होता है। पोर्टफोलियो का सबसे महंगा सकूटर एस1 प्रो प्लस 5.3 (किलोवाट-घंटा) 1,69,999 रुपये (इंट्रोडक्टरी मूल्य) में मिलेगा। जेन 3 पोर्टफोलियो में सबसे ज्यादा चर्चा में फ्लैगशिप एस1 प्रो+ 5.3 किलोवाट-घंटा (4680 भारत सैल के साथ) और 4 किलोवाट-घंटा हैं, जिनके मूल्य क्रमशः 1,69,999 रुपये और 1,54,999 रुपये हैं। एस1 प्रो 4 किलोवाट-घंटा और 3 किलोवाट-घंटा बैटरी विकल्पों में क्रमशः 1,34,999 और 1,14,999 रुपये में उपलब्ध है। ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, भाविश अग्रवाल ने कहा, हमारे पहले जनरेशन के स्कूटर्स के साथ हमने ग्राहकों को एक एस्पायरेशनल इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश किया था, जिसने देश में एक इलेक्ट्रिक स्कूटरों की एक मुहिम छेड़ दी। दूसरी जनरेशन के स्कूटरों को हमने ज्यादा स्मार्ट बनाया और अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया, जिसके साथ हर भारतीय को अलग-अलग मूल्य वर्ग में स्कूटर मिल सके। आज हम जेन 3 पेश कर रहे हैं।

भारत में नई एसयूवी किआ सिरोस लांच

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में किआ कंपनी ने अपनी नई एसयूवी किआ सिरोस को लॉन्च रोस का सीधा मुकाबला टाटा पंच टाटा पंच, टाटा नेक्सान, मारुति ब्रेज़ा और हयूदै एक्टेर जैसी गाड़ियों से होगा। किआ सिरोस को कंपनी ने कई प्रीमियम फीचर्स और आधुनिक तकनीकों से लैस किया है। इसमें 12.3-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 5-इंच क्लाइमेट कंट्रोल डिस्प्ले, वायरलेस ऐप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो, 8-स्पीकर प्रीमियम साउंड सिस्टम, रियर सीट वेंटिलेशन, डुअल-पैन पैनोरमिक सनरूफ और 60:40 स्प्लिट रियर सीट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। सेफ्टी के लिहाज से इसमें 6 एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, 360-डिग्री कैमरा, डुअल डैशकैम सेटअप और लेवल-2 अडास जैसी सुविधाएं दी गई हैं।

मानुषी छिल्लर हैं रेस 4 का नया चेहरा

एजेंसी

मुंबई। रेस 4 को लेकर चर्चा जोर पकड़ रही है और फिल्म से जुड़ा नया नाम मानुषी छिल्लर का है। रिपोर्टों से पता चलता है कि मिस वर्ल्ड और फैशन आइकन बहुप्रतीक्षित सीक्वल में मुख्य अभिनेत्रियों में से एक हो सकती हैं। अगर अफवाहें सच होती हैं, तो मानुषी उस कास्ट में शामिल हो जाएंगी, जिसमें कथित तौर पर सैफ अली खान और सिद्धार्थ मल्होत्रा शामिल हैं, जो फ्रैंचाइजी में वापसी कर रहे हैं। हालांकि उनकी भूमिका के बारे में विवरण अभी भी गुप्त है, प्रशंसक अनुमान लगा रहे हैं कि वह फिल्म के रहस्य, विश्वासघात और अप्रत्याशित मोड़ के मिश्रण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। अपनी डेब्यू फिल्म में डांस और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए सराही गई मानुषी की एंट्री से रेस यूनिवर्स में नई ऊर्जा और ग्लैमर आ सकता है। फिल्म 2025 में फ्लोर पर जाने की उम्मीद के साथ, उत्साह बढ़ रहा है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि का इंतजार अभी भी किया जा रहा है। तब तक, प्रशंसक केवल इंतजार कर सकते हैं और जैसे - जैसे अधिक जानकारी सामने आएगी, वो देख सकते हैं।

टैरिफ वॉर टलने से स्टॉक मार्केट में उत्साह का माहौल, सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई जोरदार छलांग

निवेशकों ने 1 दिन में कमाए 5.70 लाख करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार शानदार तेजी का गवाह बना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मेक्सिको और कनाडा पर लगाए जाने वाले एक्स्ट्रा टैरिफ को अस्थाई रूप से टालने का ऐलान करने के कारण दुनिया भर के स्टॉक मार्केट में उत्साह का माहौल बना रहा। ग्लोबल सपोर्ट के कारण घरेलू शेयर बाजार ने भी जोरदार तेजी दिखाई। इंट्रा-डे में सेंसेक्स 1,471 अंक और निफ्टी 401 अंक तक उछल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.81 प्रतिशत और निफ्टी 1.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दिनभर के कारोबार के दौरान एफएमसीजी को छोड़ कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। कारोबार में

एफएमसीजी इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। दूसरी ओर बैंकिंग, आईटी, कैपिटल गुड्स और मेटल सेक्टर के शेयरों में दिनभर जोरदार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, ऑयल ऐंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉल कैप इंडेक्स ने 1.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने छह लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 425.24 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 419.54 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 5.70 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,073 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,511 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,407 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 155 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,561 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,797 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 764 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए।

मलेशिया पर्यटन का दिखा भारत में प्रभाव

ओटीएम 2025 मलेशियाई संस्कृति का उत्सव और खेल पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण समझौता

मुंबई। भारत के बाजार में मलेशिया पर्यटन की उपस्थिति बढ़ाने के लिए कुछ प्रभावशाली पहल मुंबई में आयोजित की गई। जिससे मलेशिया एक प्रमुख यात्रा गंतव्य के रूप में स्थापित हुआ है। प्रमुख तीन कार्यक्रमों में 'मलेशिया भोजन और संस्कृति महोत्सव', ओटीएम 2025 में भागीदारी, और 'मलेशिया खेल पर्यटन संघ' और 'टूरिज्म इंडिया अलायंस' के बीच ऐतिहासिक समझौता शामिल है। 'विजिट मलेशिया वर्ष 2026' की मुहिम के पहले मलेशिया के विविध प्रसार के प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में 'मलेशिया पर्यटन' के महानिदेशक दातुक मनोहरन पेरियासामी और अंतर्राष्ट्रीय प्रचार विभाग (एशिया/अफ्रीका) की निदेशक, नुवाल फाधिला कुआजमी ने भाग लिया, जिससे मलेशिया की भारतीय यात्रा उद्योग के साथ जुड़ने की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। भव्य भोजन और सांस्कृतिक महोत्सव मलेशिया भोजन और संस्कृति महोत्सव 'जे डब्ल्यू मैरियट मुंबई सहार' में 27 जनवरी से 1 फरवरी 2025 के बीच आयोजित किया गया, जिसमें मलेशिया के समृद्ध स्वाद और परंपराओं को भारत में लाया गया। यह कार्यक्रम मलेशिया पर्यटन और 'द सेंट रेगिस कुआलालंपुर' के सहयोग से आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय खेल : झारखंड की झोली में अब तक 1 रजत समेत 4 कांस्य पदक

एजेंसी

रांची। 38वीं राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में राना प्रताप ने 100मी ब्रेस्ट स्ट्रोक में कांस्य पदक जीता झारखंड की झोली में अब तक 01 रजत समेत 04 कांस्य पदक तीरंदाजी एवम लॉन बॉल्स की टीमों का चमकदार प्रदर्शन के बदौलत लॉन बॉल में 05 और तीरंदाजी मे 03 पदक पक्का तीरंदाजी रिकर्व स्पर्धा की व्यक्तिगत में दीपिका कुमारी फाइनल में पहुंची। तैराकी में राना प्रताप ने 100मी ब्रेस्ट स्ट्रोक में 1:04.57 का समय के साथ कांस्य पदक प्राप्त जीता । वहीं लॉन बॉल्स की टीमों का चमकदार प्रदर्शन रहा जिसके बदौलत झारखंड की टीम को 05 पदक पक्के हो गए। जबकि महिला हॉकी टीम ने जीत के साथ शुरूआत की। तीरंदाजी के रिकर्व महिला दीपिका कुमारी ने व्यक्तिगत स्पर्धा में महाराष्ट्र की गाथा को हराकर फाइनल में प्रवेश की। 06 फरवरी को बिहार की आशिका कुमारी के साथ होगा।

राना प्रताप ने जीता कांस्य पदक

रांची । 38वीं राष्ट्रीय खेल में तैराकी में अंतिम दिन झारखंड के राना प्रताप ने 100मी ब्रेस्ट स्ट्रोक में 1:04.57 का समय के साथ कांस्य पदक प्राप्त किया। झारखंड के लिए गौरव की बात है। राना प्रताप के इस उपलब्धि के लिए झारखंड तैराकी संघ के अध्यक्ष बरखा सिन्हा , महासचिव उपेन्द्र कुमार तिवारी, वरीय उपाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार तिवारी, संयुक्त सचिव राकेश कुमार पाठक, आजीवन अध्यक्ष रामबालक सिंह के साथ साथ संघ की सभी पदाधिकारियों ने बधाई दी।

महिला फोर बाउलिंग में लवली चौबे,रूपा रानी तिर्की,कविता कुमारी एवम रेशमा कुमारी 20-04 से असम को हराकर फाइनल में पहुंची। सरिता तिर्की महिला एकल मुकाबले में असम के नयन मणि को 21-19 से हराकर हराकर फाइनल में पहुंची।

बालिका अंडर 25 वर्ग : झारखंड की बसंती उत्तराखंड को 21-3 से हराकर फाइनल में पहुंची।

पुरुष ट्रिपल बाउलिंग: झारखंड के प्रिंस,अभिषेक लकड़ा और आलोक लकड़ा की तिकड़ी ने असम को 19-15 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

पुरुष डबल्स: झारखंड की जोड़ी दिनेश और सुनील ने दिल्ली को 16-12 से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। इन सभी स्पर्धा का फाइनल बुधवार को होगा।

साइक्लिंग में आमिर रियाज पांचवे स्थान पर रहे। झारखंड राज्य के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर राज्य के माननीय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, माननीय खेल मंत्री सुदिव्य कुमार, खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक संदीप कुमार, अवर सचिव राजेश कुमार, झारखंड ओलंपिक संघ अध्यक्ष आर .के आनंद, जेओए कार्यकारी अध्यक्ष शेखर बोस, महासचिव डॉ मधुकांत पाठक, चीफ द मिशन शिवेंद्र दुबे, भोलानाथ सिंह , तैराकी संघ की बरखा सिन्हा ,उपेन्द्र कुमार तिवारी, शैलेन्द्र कुमार तिवारी, राकेश कुमार पाठक, रामबालक सिंह ,विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी अनिल जायसवाल, हरभजन सिंह, गुलाम रब्बानी,जय कुमार सिन्हा, अर्चित आनंद,आनंद बिहारी दुबे, विजय सिंह, चंचल भट्टाचार्य,सी.डी.सिंह, एस.के. पांडेय, वरुण कुमार,सुरेश कुमार, संजेश मोहन ठाकुर, के के सिंह, प्रभाकर राव,खुर्शीद खान, परीक्षित तिवारी,अजय झा, शैलेन्द्र पाठक, रजनीश कुमार,हरभजन सिंह, निशिकांत पाठक,बिपीन सिंह ,राजेंद्र प्रसाद, पूर्णिमा महतो, सुमन चंद्र मोहंती,आशीष झा, रितेश झा,मो. खुर्सिद खान, शैलेन्द्र दुबे, उदय साहू, शैलेन्द्र कुमार झारखंड खेल प्राधिकरण, रांची के मणिकांत कुमार - जूनियर फेलो कंसलटेंट, देवेंद्र सिंह, कोच हरेंद्र सिंह,बी एस राव,स्पोर्ट्स एडवाइजर समेत खेल विभाग के अधिकारियों, प्रशिक्षकों ने बधाई दी।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पुरस्कार घोषित

मेलबर्न। पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे बल्लेबाज ट्रैविस हेड को ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेटर के लिए प्रतिष्ठित एलन बॉर्डर अवार्ड दिया गया है। वहीं महिला वर्ग में युवा ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को बेलिंडा क्लार्क अवार्ड से सम्मानित किया गया है। हेड का मुकाबला अवॉर्ड की दौड़ में तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस से था। जिसमें सबसे अधिक वोट हेड को मिले हैं। हेड ने सम्मान मिलने पर खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि यह मेरे लिए एक अच्छा साल रहा है। मैं बहुत खुश हूं कि अपनी टीम की ओर से जीत में अहम भूमिका निभाने में सफल रहा हूं। मैं सभी प्रारूपों में खेलने में सक्षम हूं। यह एक अच्छी उपलब्धि है, और मैं इसका लाभ उठाऊंगा। हेड को पुरुष वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी मिला है। इसके अलावा वह ट्वेंटी 20 और टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कारों में दूसरे स्थान पर रहे। हेड ने 11 एकदिवसीय में 5 मैच खेलकर भी अवार्ड जीता जो एक बड़ी बात है। ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 154 रनों की शानदार पारी के कारण उन्हें ये अवार्ड मिला। प्लेयर ऑफ द ईयर की दौड़ में उन्होंने एलेक्स कैरी, स्टीव स्मिथ और जेवियर बार्टलेट जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। वहीं सदरलैंड को पहली बार ये अवार्ड मिला है।

एथलेटिक्स टीम के कप्तान बने शिवपाल

लखनऊ। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल के लिए चयनित उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स टीम में पुरुष वर्ग में शिवपाल सिंह और महिला वर्ग में पारुल चौधरी कप्तान बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव नरेंद्र कुमार ने उत्तर प्रदेश टीम की घोषणा करते हुए बताया कि टीम कोच बाबा दीन चौधरी, बीआर वरुण, रमेश यादव व गौरव त्यागी होंगे। मैनेजर शिवा नंद नायक, संदीप कुमार सिंह व विनीता बाजपेयी को बनाया गया है। राष्ट्रीय खेल में एथलेटिक्स की स्पर्धा आठ से 12 फरवरी तक देहरादून में आयोजित होंगी।

पंजाब एफसी ने जिंक फुटबॉल अकादमी को हराया

नई दिल्ली। ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप (डीएससी) के रीजनल राउंड के दिल्ली लेग का समापन मंगलवार को पंजाब एफसी और जिंक फुटबॉल अकादमी के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ। इस कड़े मुकाबले में पंजाब एफसी ने जिंक फुटबॉल अकादमी को 1-0 से हराकर रीजनल फाइनल में जगह बना ली। दिल्ली के फ्रंटियर फुटबॉल क्लब में खेले गए इस मैच में पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं, लेकिन दूसरे हाफ की शुरूआत में ही पंजाब एफसी के शुभम गुरुंग ने 47वें मिनट में निर्णायक गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। जिंक फुटबॉल अकादमी ने वापसी की भरपूर कोशिश की, लेकिन पंजाब एफसी की रक्षात्मक मजबूती ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ डीएससी के गत विजेता पंजाब एफसी ने रीजनल फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां उनका मुकाबला 6 फरवरी को गढ़वाल हीरोज एफसी से होगा। इस निर्णायक मुकाबले की विजेता टीम नेशनल फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित करेगी।

जीत के साथ झारखंड की महिला हॉकी टीम ने की सुरुआत

रोपनी कुमारी ने 32वें मिनट में तो, अलबेला रानी ने 48वें मिनट में किया गोल

- मेजबान उत्तराखंड को 2-0 से किया पराजित

एजेंसी

रांची। 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक देवभूमि हरिद्वार, उतराखंड में आयोजित 38 वें राष्ट्रीय खेल में झारखंड महिला हॉकी टीम का आज पहला मैच मेजबान उत्तराखंड के साथ हुआ जिसमें झारखंड टीम 2-0 से विजयी रही। झारखंड टीम पहला गोल मैच के 32 वे मिनट में रोपनी कुमारी के हाथो पेनाल्टी कॉर्नर में गोल की जबकि मैच के 48 वे मिनट में टीम की कप्तान अलबेला रानी टोप्पो ने पेनाल्टी स्टॉक से गोल कर झारखंड की 2-0 से बढ़त दिला दी ,जो मैच के समापन तक कायम रहा। झारखंड की पहली जीत पर खेल विभाग झारखंड सरकार, झारखंड ओलंपिक संघ एवम हॉकी झारखंड के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई और अगले मैच के लिए शुभकामनाएं दी है।

बुमराह का चैम्पियंस ट्रॉफी में खेलना संदिग्ध

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह का इसी माह 19 फरवरी से चैम्पियंस ट्रॉफी में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। बुमराह अगर नहीं खेलते हैं तो ये भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा। वह क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम की देखरेख में बेंगलुरु पहुंचे हैं। यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में उन्हें स्कैन और फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा. जिसमें अगर वह ठीक नहीं पाये गये तो चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो जाएंगे।

बुमराह को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में ठीम में ऐंठन हो गयी थी जिससे वह अभी उबर रहे हैं। उनके ठीके होने की उम्मीद करते हुए चयन समिति ने उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी टूनामेंट के लिए भारत की टीम में शामिल किया गया था पर उनके टीम में शामिल होने का फैसला इस सप्ताह एनसीए में फिटनेस टेस्ट पर निर्भर करेगा।

बुमराह कम से कम दो से तीन दिनों तक बेंगलुरु में रहेंगे। यहां एनसीए की मेडिकल टीम उनकी जांच करेंगी। बुमराह बाहर होते हैं तो यह भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका हो सकता है क्योंकि पिछले कुछ समय से वह शानदार फार्म में हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे में भी उन्होंने सबसे अधिक विकेट लिए थे।

रांची की लगातार दूसरी जीत

एजेंसी

रांची। रांची के जेएससीए ओवल में खेले जा रहे जेएससीए इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 19 एलीट ग्रुप टूर्नामेंट में आज रांची ने जमशेदपुर को 4 विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जमशेदपुर ने 50 ओवरों में 8 विकेट खोकर 222 रन बनाए राजवीर ने 52 आदित्य प्रताप 43 रन बनाए हर्षित योगेश और ईशान सभी ने 2-2 विकेट प्राप्त किए। जवाब में रांची ने 43.2 ओवरों में 6 विकेट खोकर 224 रन बना कर मैच जीत लिया। रांची के लिए विशाल 72 अमन कुमार ने 43 रन का योगदान दिया। प्रिंस और युवराज ने 2-2 विकेट प्राप्त किए। रांची के विशाल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एक माह से अधिक समय तक खेल से दूर रहेंगे सैमसन

नई दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन उंगली में फ्रैक्चर के कारण अगले एक से डेढ़ माह के लिए भारतीय टीम से बाहर हो गये हैं। सैमसन को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 मैच के दौरान जोफ्रा आर्चर की एक गेंद लगी थी। एक रिपोर्ट के अनुसार उन्हें खेल में वापसी करने में 5 से 6 सप्ताह तक लगेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार सैमसन अपने घर तिरुवनंतपुरम लौट गए हैं और नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में रिहैब के बाद ट्रेनिंग के लिए लौटेंगे। उन्हें टीम में वापसी के लिए फिटनेस टेस्ट में पास होना होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार सैमसन को नेट्स में वापसी करने में अभी एक माह से अधिक लगेगा। इससे साफ है कि वह 8 फरवरी से जम्मू और कश्मीर के खिलाफ केरल के लिए रणजी क्वार्टरफाइनल मैच से बाहर रहेंगे।

100वां टेस्ट खेलने के बाद संन्यास लेंगे दिमुथ करुणारत्ने

एजेंसी

नई दिल्ली। अनुभवी श्रीलंकाई बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने ने घोषणा की है कि इस सप्ताह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका 100वां टेस्ट मैच उनके करियर का आखिरी टेस्ट होगा।गुरुवार को करुणारत्ने श्रीलंका के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले सातवें क्रिकेटर बन जाएंगे। वह गाले में मैदान पर उतरेंगे, जहां उन्होंने नवंबर 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने टेस्ट करियर की शुरूआत की थी।

करुणारत्ने ने अपने करियर में श्रीलंका के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वह टेस्ट क्रिकेट में श्रीलंका के लिए चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 7172 टेस्ट रन दर्ज हैं, जिसमें एक सलामी बल्लेबाज के रूप में 7079 रन शामिल हैं। संन्यास के फैसले को लेकर करुणारत्ने ने समाचार पत्र डेली एफटी से बातचीत में कहा, ₹एक टेस्ट खिलाड़ी के लिए सिर्फ चार मैचों में अपनी फॉर्म बनाए रखना और खुद को प्रेरित रखना कठिन होता है।₹

उन्होंने यह भी बताया कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप शुरू होने के बाद श्रीलंका को बहुत कम द्विपक्षीय सीरीज खेलने का मौका मिला है।करुणारत्ने के प्रदर्शन पर नजर डालें तो 2024 की शुरूआत से अब तक उन्होंने 11 टेस्ट मैचों में 27.05 की औसत से सिर्फ 541 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में वह 7 और 0 रन पर ही आउट हो गए थे।उन्होंने कहा, ₹मैंने एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चांडीमल से चर्चा के बाद यह फैसला लिया। हम तीनों के एक साथ संन्यास लेने की बजाय, एक-एक करके यह कदम उठाना बेहतर होगा।₹

करुणारत्ने ने यह भी स्वीकार किया कि कम टेस्ट मैच मिलने की वजह से वह 10,000 रन के लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकते। इसलिए उन्होंने संन्यास लेने का फैसला किया।

श्रीलंका क्रिकेट के लिए करुणारत्ने की यह उपलब्धि यादगार रहेगी और उनके योगदान को लंबे समय तक सराहा जाएगा।

अभिषेक ने अपनी सफलता का श्रेय युवराज को दिया

एजेंसी

मुम्बई। युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह को दिया है। अभिषेक ने कहा कि युवराज भाई ने ही उनका हौंसला बढ़ाते हुए उन्हें राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने के लिए प्रेरित किया था। अभिषेक ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टी20 में अपनी तूफानी पारी खेलते हुए 54 गेंदों पर ही 135 रन बना दिये थे। अभिषेक ने अपनी इस पारी में 7 चौके और 13 छक्के लगाये थे। उन्होंने 228.57 के स्ट्राइक-रेट से ये रन बनाये, जिससे भारतीय टीम 9 विकेट पर 247 रन तक पहुंच पायी। अभिषेक ने एक कैच लिया और स्पिन गेंदबाजी करते हुए दो विकेट भी लिए। अभिषेक ने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर, इस बात को लेकर कई बार संदेह होता है कि क्या आप कभी अपने देश का प्रतिनिधित्व कर पाएंगे पर युवराज भाई ने हमेशा मुझ पर विश्वास किया है। वह कहते थे, एक दिन, तुम भारत के लिए खेलोगे और मैच जीताओगे, इसलिए मैं तुम्हें इसके लिए तैयार कर रहा हूं। इसी भरोसे ने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अभिषेक ने कहा कि उन्हें लग रहा था कि यह उनके उभरने का दिन होगा। उन्होंने कहा, मैं हमेशा ऐसी पारियां खेलता हूं, और आखिरकार, ऐसा हुआ। कोच और कप्तान के समर्थन ने से मुझे आत्मविश्वास मिला। उन्होंने हमेशा मुझे अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया, तब भी जब मैं कुछ मैचों में विफल रहा। इसलिए जब आपके कप्तान और कोच एक युवा खिलाड़ी के तौर पर आपका समर्थन करते हैं, तो इससे आपको सबसे बड़ी प्रेरणा मिलती है। अभिषेक ने शुरू से ही अपने आक्रामक रवैये पर भी बात की।

झारखंड पेंचक सिलाट संघ की टीम का स्वागत

एजेंसी

रांची । खेलो इंडिया ईस्ट जोन पेंचक सिलाट वूमेंस लिग से भाग लेकर लौटे झारखंड पेंचक सिलाट संघ की टीम का स्वागत हटिया स्टेशन पर किया गया। ज्ञात हो कि ईस्ट जोन पेंचक सिलाट वूमेंस लिग जो कि छत्तीसगढ़ बिलासपुर में 31 जनवरी 2025 से 02 फरवरी 2025 तक आयोजित किया गया था जिसमें झारखण्ड पेंचक सिलाट संघ से भी महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया और खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 4 ब्रोंज मेडल जीत कर झारखण्ड वापस लौटी है और सभी मेडल विजेता को खेलो इंडिया के तरफ से कैश अवॉर्ड दिया जाएगा। झारखण्ड राज्य के टीम का नेतृत्व झारखण्ड पेंचक सिलाट संघ कि सचिव मिस डौली सिंह कर रही थीं और साथ ही साथ खूंटी जिला से संदीपलाल, धनबाद से देवब्रत सरकार, साधना सरकार, जमशेदपुर से गोकुल मिश्रा, बोकारो से विश्वनाथ और धनांतर सरायकेला से, मन सिंह ने सहयोग किया। इस मौके पर सभी का स्वागत करने के लिए झारखण्ड पेंचक सिलाट संघ के सीनियर कोच बिजय कुमार लिम्बु, अमरजीत कुमार , देवाशीष थापा, शिवम् कुमार, लखन उरांव, अशफाक अंसारी रवि राज एवं अन्य शामिल थें।

रणजी क्वार्टर फाइनल के लिए सूर्यकुमार, शिवम दुबे मुंबई टीम में शामिल

एजेंसी

मुंबई। सूर्यकुमार यादव को हरियाणा के खिलाफ 8 फरवरी से होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल मैच के लिए मुंबई की टीम में शामिल किया गया है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने अपनी वेबसाइट पर उक्त जानकारी दी।

यह मैच बंसी लाल क्रिकेट स्टेडियम, लाहली में खेला जाएगा। अजिंक्य रहाणे टीम की अगुआई करेंगे। श्रेयस अय्यर, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल 6 फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ भारत की तीन मैचों की वनडे सीरीज में शामिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएंगे।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की वेबसाइट पर बताया गया है कि यह मैच सूर्यकुमार को अपनी फॉर्म हासिल करने के लिए कुछ समय देगा। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पांच पारियों में 28 रन बनाए हैं और भारत और राज्य के लिए सभी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में अपनी पिछली 10 पारियों में सिर्फ 66 रन बनाए हैं।गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर, जो फिलहाल भारत की योजना में नहीं हैं, 19 फरवरी से शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भी मुंबई के लिए अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगे। ऑलराउंडर शिवम दुबे, जिन्होंने टी20 में इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें एक अर्धशतक और दो विकेट सहित 83 रन बनाए थे, को भी टीम में शामिल किया गया है।शार्दुल मेघालय के खिलाफ दोनों पारियों में चार विकेट और पहली पारी में 84 रन की पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार हासिल किया था। अब तक सात मैचों में उन्होंने 23.95 की औसत से 24 विकेट लिए हैं, जिसमें 4/43 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। बल्ले से आठ पारियों में ठाकुर ने 47.62 की औसत से 381 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्द्धशतक के साथ 101.87 की अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 119 है।

होनहार युवा आयुष म्हात्रे और सूर्यांश शेड्गे भी टीम में हैं।

मुंबई ने ग्रुप ए में चार जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ लीग चरण का समापन दूसरे स्थान पर किया, जिससे उन्हें 29 अंक मिले। उनकी एक चौंकाने वाली हार जम्मू और कश्मीर के खिलाफ आई, जिसने रोहित, जायसवाल, रहाणे, अय्यर, दुबे और ठाकुर से सजी पूरी ताकत वाली मुंबई को पांच विकेट से हराया। मुंबई का लक्ष्य टूर्नामेंट में आगे बढ़ना और अपना रिकॉर्ड 43वां खिताब हासिल करना होगा।

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी, अमोघ भटकल, सूर्यकुमार यादव, सिद्धेश लाड, शिवम दुबे, आकाश आनंद (विकेट कीपर), हार्दिक तमोर (विकेट कीपर), सूर्यांश शेज, शार्दुल ठाकुर, शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डिसूजा, रॉयस्टन डायस, अथर्व अंकोलेकर, हर्ष तन्ना।

लंदन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए चेलेसा के इनजो फनार्डेज और वेस्ट हेम के कार्लोस सोलर।

'तेरे इश्क में' में मुख्य भूमिका निभाएंगी कृति सेनन

अविस्मरणीय रांझणा (2013) के बाद, पावरहाउस तिकड़ी- आनंद एल राय, धनुष और ए.आर. रहमान- एकतरफा प्यार की एक और भावनात्मक प्रेम कहानी लेकर फिर से साथ आ रहे हैं। आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित, यह फिल्म दर्शकों को भावनाओं के एक रोलरकोस्टर पर ले जाने का वादा करती है, जिसमें महान ए. आर. रहमान का शानदार साउंडट्रैक के साथ इरशाद कामिल के काव्यात्मक गीत हैं। अब सुर्खियों का केंद्र कृति सेनन है, जो हाल के सिनेमाई इतिहास की सबसे प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में से एक के रूप में दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है। प्रशंसक एक भावनात्मक रोलर कोस्टर की उम्मीद कर सकते हैं, जिसमें सच्ची गहनता, परतदार कहानी और वे पल होंगे जो गहरी छाप छोड़ जाएंगे। इस उत्साह को बढ़ाते हुए फिल्म में कुछ शानदार और अविस्मरणीय डायलॉग हैं जो रांझणा की दुनिया से गहराई से जुड़े हुए हैं। ल ही में जारी प्रोमो में कृति सेनन को एक रहस्यमय अवतार में दिखाया गया है, जो उनके पात्र की गहराई, इंटेंसिटी और जटिलताओं को पूरी तरह से दर्शाता है। बेहद खूबसूरत धुन अविस्मरणीय संगीतमय यात्रा का वादा करती है। दिल को छूने वाले धनुष के पहले लुक के बाद, यह शानदार नया खुलासा तेरे इश्क में की प्रत्याशा और दिलचस्पी को बिल्कुल नए स्तर पर ले जाता है, जिससे प्रशंसक और भी अधिक उत्सुक हो गए हैं।

तेरे इश्क में, जो 2025 में फ्लोर पर आने के लिए तैयार है, रांझणा की दुनिया का आध्यात्मिक उत्तराधिकारी है, जो एकतरफा प्यार, लालसा और भावनात्मक संघर्ष के विषयों पर गहराई से प्रकाश डालता है। गुलशन कुमार, टी-सीरीज़ और कलर येलो उत्साहपूर्वक पेश करते हैं तेरे इश्क में, जिसे आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार के साथ प्रोड्यूस किया है। स फिल्म को आनंद एल राय ने डायरेक्ट किया है और हिमांशु शर्मा ने लिखा है। इसे ए.आर. रहमान ने म्यूजिक दिया है, और इसके गीत इरशाद कामिल ने दिए हैं। धनुष और कृति सेनन अभिनीत यह फिल्म 28 नवंबर 2025 को दुनिया भर में हिंदी और तमिल में रिलीज होने वाली है।

सलमान-रश्मिका की फिर बनेगी जोड़ी, सिकंदर की रिलीज से पहले ही हाथ आई दूसरी फिल्म

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। वह विक्की कौशल के साथ 'छावा' में भी नजर आएंगी। हाल ही में इसका ट्रेलर भी रिलीज हुआ है। फैंस रश्मिका को सलमान खान के साथ 'सिकंदर' में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। इस बीच फैंस की एक्साइटमेंट को बढ़ाने वाली खबर सामने आ रही है। आइए जानते हैं वह क्या अपडेट है?

सलमान के साथ फिर बनेगी जोड़ी

एआर मुरुगादॉस निर्देशित 'सिकंदर' के बाद अभिनेत्री सलमान खान के साथ एक शीर्षकहीन फिल्म में नजर आ सकती हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों को एक और प्रोजेक्ट के लिए एक साथ साइन किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक सलमान और रश्मिका एटली द्वारा निर्देशित एक आगामी फिल्म में नजर आने वाले हैं। सूत्रों ने खुलासा किया कि 'सिकंदर' के सेट पर इस जोड़ी का काम करने का तरीका बहुत अच्छा था और 'पुष्पा 2- द रूल' में रश्मिका के प्रदर्शन ने एटली और सलमान दोनों को प्रभावित किया, जिसके कारण उन्हें एक नए प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ लिया गया। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सलमान खान का वर्क फंट

सलमान खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार कैटरीना कैफ के साथ 'टाइगर 3' में देखा गया था। इसके बाद अब वह 'सिकंदर' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म ईद 2025 पर रिलीज होगी।

रश्मिका मंदाना का वर्क फंट

रश्मिका मंदाना के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार 'पुष्पा 2' में अल्लू अर्जुन की पत्नी श्रीवल्ली के किरदार में नजर आई थीं। अब उनके पास सलमान की सिंकदर है। 14 फरवरी को विक्की कौशल के साथ उनकी फिल्म 'छावा' रिलीज होगी। इसके अलावा वह धनुष और नागार्जुन अक्किनेनी स्टारर 'कुबेर' में भी मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं।

अब परिवार संग स्क्रीन शेयर नहीं करना चाहते शाहिद

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत कई विज्ञापनों में एक साथ नजर आ चुके हैं। वहीं शाहिद पिता पंकज के साथ भी कई फिल्में कर चुके हैं। लेकिन अचानक ऐसा क्यो हो गया है कि शाहिर अब अपने परिवार के साथ फिल्मों में अभिनय नहीं करना चाहते हैं। शाहिद कपूर ने अपने पिता पंकज कपूर के साथ मौसम और जर्सी जैसी फिल्मों में काम भी किया है। हालांकि, उन्होंने खुलासा किया है कि वह अब अपने परिवार के साथ काम नहीं करना चाहते हैं। शाहिद ने कहा कि काम और परिवार को अलग रखना सबसे अच्छा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान शाहिद ने कहा, मैं परिवार के साथ काम नहीं करना चाहता, यह अच्छा विचार नहीं है। परिवार और काम को अलग-अलग तरीके से निपटाया जाना चाहिए। अगर वे एक साथ आते हैं, तो यह मुश्किल भरा हो जाता है। मैं उनके साथ काम नहीं करना चाहता क्योंकि अगर मैंने कुछ कहा तो उनकी भावनाएं आहत होंगी। थित तौर पर इस दौरान शाहिद ने अपनी मां नीलिमा अजीम और पत्नी मीरा राजपूत के बारे में कहा, आपके जीवन में हमेशा महिलाएं ही होती हैं, वे आपको बताती हैं कि आप कितने अच्छे या बुरे हैं। मेरी पत्नी और मां दो ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी मैं बहुत सुनता हूं। मैं उन पर भरोसा करता हूं, अगर वे कुछ ऐसा कहती हैं जो अच्छा नहीं लगता, तो मैं जानता हूं कि वे ऐसा इसलिए कह रही हैं क्योंकि मुझे इसे सुनना है। म की बात करें, शाहिद कपूर अपनी आगामी फिल्म देवा में एक पुलिस अफसर की भूमिका निभा में नजर आएंगे। इस फिल्म में शाहिद के साथ पूजा हेगड़े, पावेल गुलाटी, प्रवेश राणा और कुब्रा सैत भी नजर आएंगे। रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित और सिद्धार्थ रॉय कपूर और उमेश केआर बंसल द्वारा निर्मित, देवा 31 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हेरा फेरी 3 पर मुहर लगने के बाद शुरू हुआ काम!

हेरा फेरी 3 के आधिकारिक तौर पर शुरू होने से प्रशंसक रोमांचित हैं। अपने जन्मदिन पर मशहूर फिल्म निर्माता प्रियदर्शन ने एलान की कि वह लोकप्रिय कॉमेडी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त का निर्देशन करेंगे, जिसमें अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी की तिकड़ी एक बार फिर साथ नजर आएंगे, जिसमें उनकी शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री वापस आएगी। वहीं, अब फिल्म की रिलीज को लेकर नया अपडेट सामने आया है।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग इस साल दिसंबर में शुरू होगी। हेरा फेरी 3 को इस साल दिसंबर से मई 2026 तक छह महीने में फिल्माया जाएगा। फिल्म की मूल रूपरेखा और आर्क पहले से ही तैयार हैं। बताया गया है कि यह एक ऐसी कहानी को चमकाने और विकसित करने के बारे में है, जो राजू, श्याम और बाबूराव के पंथ के साथ न्याय करेगी। प्रियदर्शन फिलहाल भूत बंगला की शूटिंग में व्यस्त हैं और फिल्म निर्माता जून 2025 तक वीएफएक्स और पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए अपना संपादन पूरा कर लेंगे। इसके बाद वह स्क्रिप्ट पर कुछ समय बिताना चाहते हैं और फिर हेरा फेरी 3 को फ्लोर पर ले जाना चाहते हैं। पूरी टीम जानती है कि हेरा फेरी कितनी बड़ी फ्रेंचाइजी है और वे पहले जैसा हंसी का अनुभव देने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। हेरा फेरी का तीसरा भाग छह महीने की राइटिंग और प्री-प्रोडक्शन के बाद फ्लोर पर जाएगा।

परदे पर ओशो का किरदार अदा करने पर मिथुन चक्रवर्ती ने तोड़ी चुप्पी

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार विजेता दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को लेकर काफी समय से चर्चा है कि वे दार्शनिक और आध्यात्मिक गुरू ओशो रजनीश की बायोपिक में लीड रोल अदा करेंगे। काफी वक्त से मिथुन का लुक भी बदला हुआ है, वे लंबे बाल और बढ़ी हुई दाढ़ी में नजर आ रहे हैं। इसके बाद फैंस की उत्सुकता और बढ़ रही है। एक्टर किसी फिल्म में ओशो का रोल अदा करने वाले हैं या नहीं, इसे लेकर खुद उन्होंने चुप्पी तोड़ी है। मिथुन चक्रवर्ती का कहना है कि उन्हें ओशो की भूमिका ऑफर हुई है, लेकिन अभी कुछ कंफर्म नहीं हुआ है। अभी इसमें चार-पांच लग सकते हैं। मिथुन ने फैंस की अटकलों पर बात करते हुए कहा कि लोग उनसे लगातार इस बारे में पूछते हैं। एक्टर ने कहा फिल्म द कश्मीर फाइल्स के लिए फोटोशूट के दौरान एक फिल्म एडिटर ने ओशो के साथ उनकी समानता पर टिप्पणी की थी। एक्टर ने आगे कहा, मुझे ओशो का रोल ऑफर भी हुआ है, लेकिन अभी कुछ कंफर्म नहीं है। अभी इसमें पांच-छह साल लगेंगे। शायद भविष्य में ऐसा हो। मैं यह रोल करूं। मिथुन ने कहा, जब मैं द कश्मीर फाइल्स कर रहा था तब मैंने कुछ फोटोज लिए थे। मैं उनमें खास मुद्राओं में बैठा था। लोगों ने उन तस्वीरों को देखने के बाद कहा कि ओशो जैसा लग रहा हूं। मुझे ओशो रजनीश की बायोपिक भी ऑफर हुई है, लेकिन अभी कुछ भी कंफर्म नहीं है। अगर ओशो रजनीश की बायोपिक बनती भी है तो उसे बनने में पांच-छह साल लगेंगे।

एक बड़ी जिम्मेदारी है यह किरदार

मिथुन ने आगे कहा, विवेक अग्निहोत्री चाहते हैं कि मैं ओशो की बायोपिक में काम करूं। एक और इंसान ने मुझे ओशो की बायोपिक के लिए ऑफर दिया है। मैं इसे करना चाहता हूं, लेकिन मुझे पता है कि ये एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। ओशो के फॉलोवर्स के लिए वे अब भी एक जिंदा भगवान हैं। वे एक महान इंसान थे और मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं। वर्क फ्रंट की बात करें तो मिथुन द दिल्ली फाइल्स में नजर आएंगे।

देवा से पहले इन हिंदी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं पूजा हेगड़े

फिल्म देवा सिनेमाघरों में 31 जनवरी को रिलीज हो गई है। यह फिल्म मलयालम फिल्म मुंबई पुलिस की रीमेक है। इसमें शाहिद कपूर के साथ पूजा हेगड़े नजर आएंगी। पूजा हेगड़े साउथ इंडस्ट्री की चर्चित अदाकारा हैं। हालांकि, बॉलीवुड में भी उन्होंने काम किया है। देवा से पहले वे हिंदी फिल्मों में बॉलीवुड के सुपरस्टार्स के साथ नजर आई हैं।

मोहनजो-दाड़ो

पूजा हेगड़े ने साल 2016 में फिल्म मोहनजो-दाड़ो से बॉलीवुड फिल्मों में डेब्यू किया। अपनी पहली ही हिंदी फिल्म में उन्हें ऋतिक रोशन जैसे सुपरस्टार के साथ काम करने का अवसर मिल गया। मगर, उनकी डेब्यू हिंदी फिल्म ही फ्लॉप रही। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। करीब 120 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म सिर्फ 58.23 करोड़ ही कमा पाई।

हाउसफुल 4

साल 2019 में रिलीज हुई इस मल्टी-स्टारर फिल्म में पूजा हेगड़े नजर आईं। इस एक्शन कॉमेडी फिल्म को दर्शकों का प्यार मिला और बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। ओपनिंग डे पर इस फिल्म ने 16.50 करोड़ रुपये कमाए और टोटल नेट कलेक्शन 194.60 करोड़ रुपये रहा। इस फिल्म में पूजा हेगड़े ने राजकुमारी माला का रोल अदा किया।

राधे श्याम

यूं तो यह फिल्म मूल रूप से साउथ की ही है, लेकिन हिंदी दर्शकों तक भी पहुंची। इसे हिंदी भाषा में भी रिलीज किया गया। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। साल 2022 में आई इस फिल्म में पूजा हेगड़े और प्रभास नजर आए थे।

सर्कस

साल 2022 में पूजा हेगड़े फिल्म सर्कस में नजर आईं। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणवीर सिंह, जैकलीन फर्नांडिस और वरुण शर्मा जैसे सितारे भी नजर आए। मगर, यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर ही साबित हुई। करीब 150 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म 35.65 करोड़ रुपये पर ही सिमट गई।

किसी का भाई किसी की जान

साल 2023 में पूजा हेगड़े को बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान के साथ काम करने का मौका मिला। इस बॉलीवुड फिल्म से बहुत उम्मीदें थीं। मगर, कुछ खास रंग नहीं दिखा पाई। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने औसत प्रदर्शन किया। अब पूजा हेगड़े देवा में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर निर्देशक रोशन एंड्रूयज कर रहे हैं। देखना दिलचस्प होगा कि पूजा हेगड़े की यह फिल्म क्या रंग जमाती है।

फिर टूटा राखी सावंत का तीसरी शादी का सपना

कुछ दिनों पहले राखी सावंत अपनी तीसरी शादी की वजह से सुर्खियों में आई थीं। पाकिस्तानी एक्टर डोडी खान ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने राखी को शादी के लिए प्रपोज किया था। इतना ही नहीं, राखी ने कई इंटरव्यू में इस बात की पुष्टि की थी कि वह डोडी से शादी करने जा रही हैं और शादी पाकिस्तान में होगी, जबकि भारत में रिसेप्शन होगा। हालांकि अब डोडी ने यू-टर्न ले लिया है और राखी को फ्रेंड जोन में डाल दिया है, उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने राखी के साथ कोलाब किया है। उन्होंने कहा- सलाम वालेकुम हिंदुस्तान पाकिस्तान, मैं डोडी खान, कुछ दिन पहले आपने मेरे सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा, जिसमें मैंने राखी सावंत को प्रपोज किया। बिलकुल ठीक देखा आपने, उन्हें प्रपोज करने की वजह ये थी कि मैं बहुत अच्छे से उन्हें जानता हूं, उनको जब मैंने जाना पहचाना तो एक खुदा से मोहब्बत करने वाला इंसान उनके अंदर दिखा। मेरा ख्याल ये है कि लोगों को ये स्वीकार नहीं, क्योंकि जितने मुझे मैसेज और वीडियो आए, उतना तो मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता।

महिलाओं की भागीदारी से विकसित होगा देश : धीरेन्द्र सिंह

कलेक्ट्रेट और जिला न्यायालय के बीच फुट ओवर ब्रिज के निर्माण का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने

सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट और जनपद न्यायालय को जोड़ने के लिए फुट ओवर ब्रिज का शुभारंभ जनपद दीवानी एवं फौजदारी की महिला अधिवक्ताओं से फीता कटवाकर करवाया। फुट ओवर ब्रिज के बनने के बाद पैदल चलने यात्री आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं। साथ ही वृद्ध लोगों के लिए लिफ्ट भी तैयार की जाएगी।

इस मौके पर जेवर विधायक ने कहा कि यह फुट ओवर ब्रिज आने वाले समय में जनता के लिए बहुत ही सुविधाजनक होगा। दैनिक यात्रियों के लिए फुट ओवर ब्रिज के साथ-साथ विश्वस्तरीय सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि जिस समाज में महिलाएं भी पुरुषों का हाथ बंटाती हों और जहां की व्यवस्था में महिलाएं आगे आकर, इस देश का आईना बनेंगी, वह देश बहुत जल्द विकसित होगा। यह फुट ओवर ब्रिज छह माह में बनकर तैयार हो जाएगा।

इस मौके पर जिलाधिकारी जनपद गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि जनपद गौतमबुद्धनगर को उत्तर प्रदेश को आर्थिक राजधानी माना जाता है। इसलिए यहां के कार्यालय और मुख्यालय भी उसी स्तर के ही होने चाहिए।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश अवनीश सक्सेना ने इस मौके पर कहा कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका आज तीनों एक मंच पर मौजूद हैं, जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्लोगन आज चरितार्थ हो गया है।

इस मौके पर ग्रेनो प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट प्रमेन्द्र सिंह भाटी, कलक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एड0 जयपाल सिंह भाटी एड0 अजीत नागर सचिव, एड0 राजीव तोंगड़ पूर्व अध्यक्ष, एड0 सुशील भाटी पूर्व अध्यक्ष, एड0 कृष्ण कुमार, एड0 राकेश कुमार, एड0 अजीत भाटी, एड0 ज्योति, एड0 सीमा, एड0 हेमंत शर्मा, एड0 कुलदीप शर्मा, एड0 चरणजीत सिंह, एड0 जयपाल भाटी, एड0 शोभाराम चंदीला, एड0 जयवीर भाटी, एड0 मुकेश कर्दम, एड0 मूल चंद शर्मा, एड0 देवेंद्र रावल, एड0 अतुल शर्मा आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

सफाई को लेकर फोनरवा संग की प्राधिकरण अफसरों ने बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए फेडरेशन ऑफ नोएडा रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) ने महा प्रबंधक (स्वास्थ्य विभाग), नोएडा प्राधिकरण, एस.पी. सिंह के साथ एक बैठक का आयोजन फोनरवा कार्यालय, सेक्टर-52 में किया।

इस बैठक में वरिष्ठ प्रबंधक आर.के. शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं 75 से अधिक आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में नोएडा शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर गंभीर चर्चा की गई। आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने शिकायत की कि उनके सेक्टरों में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है और सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति की स्पष्ट जानकारी नहीं मिलती। बैठक में सुझाव दिया गया कि सफाई कर्मचारियों की हाजिरी आरडब्ल्यूए कार्यालय में लगाई जाए, ताकि निगरानी बेहतर हो सके। साथ ही, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों पर नोएडा प्राधिकरण द्वारा जुर्माना लगाने की मांग भी रखी गई।

फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा और महासचिव के.के. जैन ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण को सभी आरडब्ल्यूए को उनके क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों, ठेकेदारों और नोएडा प्राधिकरण के सुपरवाइजरों के नाम और उनकी संख्या से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए।

एस.पी. सिंह ने आश्वासन दिया कि जल्द ही सभी कर्मचारियों से संबंधित सूचनाएं RWA को उपलब्ध करा दी जाएंगी। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि पदाधिकारियों द्वारा बताई गई सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा।

श्री राम कथा सुनने पहुंचे प्रभारी मंत्री

नोएडा (चेतना मंच)। विजय कौशल महाराज द्वारा आयोजित श्री राम कथा में उत्तर प्रदेश सरकार के लोक निर्माण मंत्री तथा गौतमबुद्धनगर के प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह पहुंचे। वहां उन्होंने महाराज की राम कथा का श्रवण किया और इस सुंदर आयोजन के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के नोएडा महानगर के जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता, जिला महामंत्री गणेश जाटव, उमेश त्यागी एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष पंकज झा भी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद, डेयरी और हर्बल उद्योगों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा : आचार्य बालकृष्ण

नोएडा (चेतना मंच)। पतंजलि ग्रुप यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA) क्षेत्र में अपने औद्योगिक विस्तार को तेज़ी से आगे बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में, पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, आचार्य बालकृष्ण प्लॉट नंबर 1ए, सेक्टर 24ए, YEIDAपहुंचे, जहां उन्होंने पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क की आगामी योजनाओं पर चर्चा की। यह प्रमुख परियोजना क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश और रोज़गार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की जा रही है। इस पार्क में एक अत्याधुनिक डेयरी प्लांट और औद्योगिक प्रमोशन हब स्थापित किया जाएगा, जिससे स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

इस मौके पर आचार्य बालकृष्ण जी ने बताया कि यह औद्योगिक पार्क 1,600 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नया आयाम मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' अभियान और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'इन्वेस्ट यूपी' मिशन के अनुरूप है। पूरी तरह से कार्यशील होने पर, पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क से 3,000 से अधिक रोज़गार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा।

पतंजलि ग्रुप पहले से ही एक औद्योगिक पार्क विकसित कर रहा है, जहां छोटे और मध्यम आकार के उद्योगों (SMEs) को सब-लीज के माध्यम से औद्योगिक स्पेस उपलब्ध कराया गया है। आगामी फूड एंड हर्बल पार्क इस पहल को और मजबूती देगा, जिससे एफएमसीजी, आयुर्वेद, डेयरी और हर्बल उद्योगों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और स्थानीय स्तर पर औद्योगिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन मिलेगा। YEIDA अधिकारियों के साथ रणनीतिक चर्चा औद्योगिक पार्क का दौरा करने के बाद, आचार्य बालकृष्ण जी उद्योग जगत के विशेषज्ञों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ YEIDAकार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने CEO अरुणवीर सिंह, और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान अरुणवीर सिंह ने YEIDA क्षेत्र में हो रहे औद्योगिक विकास को लेकर अपनी सकारात्मक सोच और प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि औद्योगिक परियोजनाओं को समर्थन देना, बुनियादी ढांचे को मज़बूत करना और क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देना YEIDA की प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र के विकास को संतुलित और समावेशी रूप से आगे बढ़ाने के लिए सभी परियोजनाओं की कड़ी निगरानी की जाएगी, जिससे स्थानीय व्यापारियों और उद्योगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

बकाया कर के जुर्माने की छूट का लाभ उठायें वाहन स्वामी

एआरटीओ डॉ. उदित नारायण पांडे ने की अपील

नोएडा (चेतना मंच)। सहायक संभागीय परिवहन

अधिकारी (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण पाण्डेय ने व्यावसायिक वाहनों के स्वामी को बताया कि उ.प्र.शासन द्वारा व्यवसायिक वाहनों के विरूद्ध बकाया कर के भुगतान में विलम्ब पर लगने वाली शास्ति/जुर्माना से छूट प्रदान करने के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू की गई है। इस योजना के अन्तर्गत ऐसे वाहन स्वामी जिनके व्यवसायिक वाहन के विरूद्ध कर बकाया है और वह कर के भुगतान में विलम्ब पर लगने वाली शास्ति (जुर्माना) में छूट चाहते हैं, वह अधिसूचना जारी होने की तिथि से 03 माह के भीतर सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करके और निर्धारित शुल्क जमा कराकर पूर्ण पेनाल्टी माफी हेतु अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकार पंजीकरण के उपरान्त बकाया कर पर लगने वाली शास्ति/जुर्माना को अदेय करते हुए बकाया कर की धनराशि एकमुश्त जमा करायी जायेगी। पंजीकरण शुल्क की धनराशि हल्के मोटरवाहन (सकल यान भार 7500 किलोग्राम तक) के लिए रुपया 200/- तथा शेष प्रवर्ग के वाहनों के लिए रुपया 500/- निर्धारित की गयी है।

उन्होंने बताया कि उक्त योजना 05.02.2025 तक के लिए ही है, जो कल समाप्त हो रही है अत: जनपद के समस्त व्यवसायिक वाहन स्वामियों से अनुरोध है वे अपनी वाहनों पर संदेय कर के विलम्ब पर लगने वाली शास्ति/जुर्माना में छूट प्राप्त करने हेतु कार्यालय सहायक संभागीय प्रवर्तन अधिकारी गौतमबुद्धनगर में पंजीकरण कराते हुए इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठायें।

- नोएडा स्टेडियम श्री रामकथा-

श्रीराम के जन्म पर अयोध्या में रहा जश्न का माहौल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा स्टेडियम में चल रही दिव्य श्री रामकथा में चौथे दिन भगवान राम का जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया गया। कथा में परम पूजनीय विजय कौशल जी महाराज जी ने भगवान की अनेक लीलाओं की चर्चा की उन्हें बताया कि जहां भी हमको भगवान की कथा सुनने को मिले हमको वहा बहाना बनाकर भी जाना चाहिए। महाराज मनु और माता सतरूपा की कथा का वर्णन करते हैं महाराज जी ने बताया कि कैसे सब राजसी सुख छोड़कर तपस्या की और भगवत धाम की प्राप्ति की।

रामजन्मोत्सव की खुशी में आज की कथा में ऐसा लगा जैसे साक्षात सारा अवध आज कथा के प्रांगड़ में आ गया हो। सभी भक्ति खुशी खुशी नाचते हुए और बधाई देते हुए नजर आए। महाराज जी ने भगवान राम के साथ लक्ष्मण जी, भरत जी एवं शत्रुघ्न जी के नाम की महिमा का वर्णन किया।

कथा के बीच में ऐसे प्रसंग आए जब अनेक भक्त भाव विभोर देखे। महाराजा जी ने बताया कि हमको अपने जीवन में एक रूप रखना चाहिए हमारे दो चरित्र नहीं होने चाहिए कथा एवं तीर्थ हमारा जीवन की गंदगी को साफ करने का सबसे आसान और सुगम तरीका है।

कथा में ब्रिजेश सिंह PWD राज मंत्री,उत्तर प्रदेश सरकार प्रभारी नोएडा, मनोज गुप्ता अध्यक्ष भाजपा नोएडा, विमला बाथम, पूर्व विधायक एवं पूर्व अध्यक्ष महिला आयोग, गणेश जाटव भाजपा नोएडा महामन्त्री, उमेश त्यागी भाजपा नोएडा महामन्त्री लोकेश कश्यप, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष शशिधर उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष भाजपा पूर्व आईएएस संजय कृष्ण, कपिल त्यागी, मीरा वार्ष्णेय, पूर्व शामली विधायक राजेश्वर बंसल, पूर्व शामली नगरपालिका अध्यक्ष अंजना बंसल, विजय गर्ग, कपिल त्यागी यथार्थ हॉपिटल MD,पधारे और महाराज जी का आशीर्वाद लिया।

कथा के प्रारंभ में मंगलमय परिवार नोएडा के अध्यक्ष महेश गुप्ता ने देश के कोने-कोने से आये अनेक अतिथियों का स्वागत किया। उन्हें वृन्दावन में चल रही श्रीजी रसोई से जुड़ने के लिए आह्वान किया।

शासन ने फिर शुरू की शादी अनुदान योजना

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अनुसूचित जाति व सामान्य वर्ग के लिए शादी अनुदान योजना पुन: प्रारम्भ कर दी गई है, जिसका पोर्टल https://shadianudan.upsdc.gov.in/ है, जिस पर केवल जनमानस को आधार प्रमाणीकरण के उपरान्त ही आवेदन करने की सुविधा प्रदान की गई हैं। योजनान्तर्गत कुल धनराशि रू0 20,000/- अनुमन्य हैं जोकि आवेदक के बैंक बचत खाते में स्थानान्तरित की जाती हैं।

जिला समाज कल्याण अधिकारी गौतमबुद्धनगर सतीश कुमार ने बताया कि योजना के अंतर्गत आवेदक अपनी 2 पुत्रियों के लिये अनुदान धनराशि हेतु अलग-अलग बचत खातों के साथ आवेदन आनलाईन कर सकता हैं। आवेदक अपनी पुत्री के विवाह से 90 दिन पूर्व या विवाह के 90 दिन के पश्चात तक आवेदन कर सकता हैं।

उन्होंने शादी अनुदान योजना के पात्रता के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि अभिभावक उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए, कन्या की आयु 18 वर्ष व वर की आयु 21 वर्ष कम नहीं होनी चाहिए, आवेदक की वार्षिक आय सीमा ग्रामीण क्षेत्र के लिए 46080/- व शहरी क्षेत्र हेतु 56460/- रूपये से कम होनी चाहिए। आवेदक वर व कन्या का आधार कार्ड, शैक्षिक प्रमाण पत्र होना चाहिए एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लिए जाति प्रमाण पत्र होना चाहिए तथा शादी कार्ड मूल रूप में होना चाहिए। विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री, जो स्वयं दिव्यांग हो, को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने यह भी बताया कि आवेदक शहरी क्षेत्र के आवेदन तहसील स्तर पर तथा ग्रामीण क्षेत्र के आवेदन विकासखण्डों में जमा करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत अनुदान के लिए पात्र आवेदक अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराते हुए इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठाये।